॥ ओम् ॥

सन्त परमानन्द नेत्र सुधारक संघ

(स्थापित १९३३ ई०)

रिपोर्ट १९४७ से १९५२ तक

इस रिपोर्ट में हम अन्धे और दृष्टिहीन भारतीयों के नेत्र सुधार सम्बन्धी, संघ के उत्कृष्ट प्रयत्नों एवं चिकित्सा कार्यों का, संक्षिप्त विवरण आप के समक्ष प्रस्तुत कर रहे हैं। महात्मा गांधी एवं पं० जवाहर लाल नेहरू (वर्तमान प्रधान-मन्त्री भारत शासन) आदि नेताओं ने संघ के कार्य की प्रशंसा की है।

नेत्रहीनों को प्रकाश दो !

★

सन्त परमानन्द नेत्र सुधारक संघ

(सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट २१ सन् १८६० ई० के अनुसार रजिस्टर्ड है)

१८/५३ स्कूल रोड़, करौलबाग, नई देहली–५

★

❀ चन्दा खाता सूची ❀

(ता० १ मार्च सन् १९४७ से ३१ मार्च सन् १९५२ तक)

—:o:—

सन् १९४७

२०००) श्री सेठ जुगलकिशोर जी बिरला देहली।
१०१) श्री सेठ मोतीलाल जी जैन नीमच (राजस्थान)
१०१) श्री सेठ देवकरणदास, रामशरणदास जी मेरठ।
८००) श्री सेठ गणेशदास जी नयावास, देहली
२००) श्रीमती रम्मोदेवी जी नयावास, देहली।
१००) श्रीमती मुन्नीदेवी जी नयावास, देहली।
१००) श्रीमती कृष्णादेवी जी नयावास देहली।

सन् १९४९

१०२) श्री सेठ रामशरणदास जी मेरठ।

सन् १९५०

१०००) श्रीमान महाराजा साहब नैपाल।

सन् १९५१

२०१) श्री सेठ तीरथमल जी मीतल, नसीराबाद।
२०१) श्री सेठ गोवर्धनलाल जी राठी
२०१) श्री सेठ छगनलाल जी गोंदिया (मध्यप्रदेश)
२०१) श्री सेठ कल्याणमल जी चौकरवाल।
२०१) श्री सेठ मिश्रीलाल जी सक्सेना।
२०१) श्री सेठ जे० बी० टोड़ीवाल।

ब्रह्मीभूत श्री १०८

्ची ❀

र्च सन् १९५२ तक)

बिरला देहली।
न नीमच (राजस्थान)
मशरणदास जी मेरठ।
यावास, देहली।
ावास, देहली।
ावास, देहली।
यावास देहली।

ी मेरठ।

नैपाल।

तिल, नसीराबाद।
ी राठी
गोंदिया (मध्यप्रदेश)
ी चौंकरवाल।
सक्सेना।
वाल।

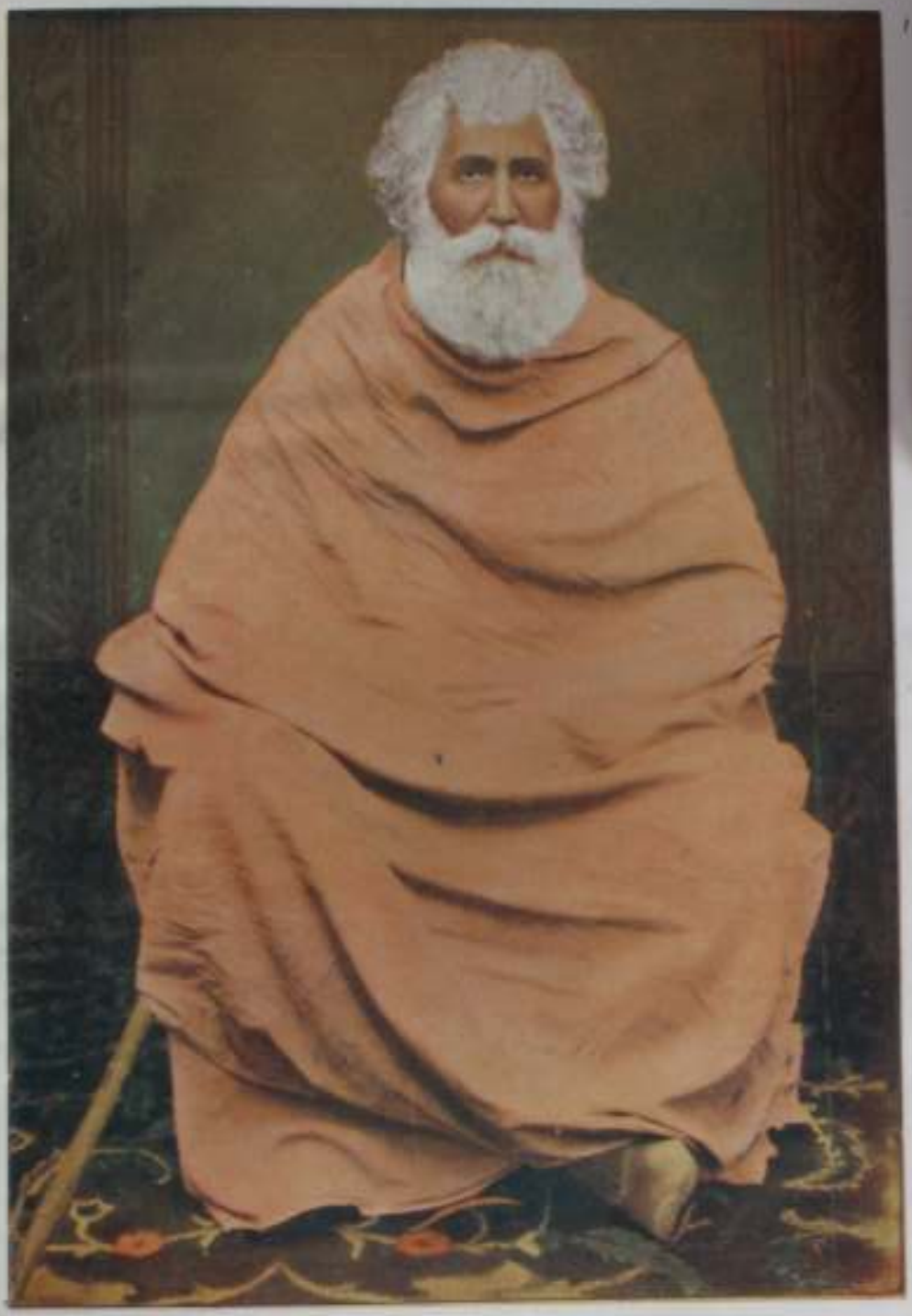

ब्रह्मीभूत श्री १०८ परमहंस श्री स्वामी परमानन्द जी महाराज

सन्त परमानन्

(Sant Parmana

संघ का प्रधान कार्याल
संघ की प्रबन्ध समिति समय

सं

(क) नेत्र अस्पताल खोलना,
खोलना और चक्षुराम
रोगों का निवारण करन

(ख) ठीक समय पर उपयुक्त
अन्य उपायों तथा साहि
रोगों को रोकना और र

(ग) नेत्र चिकित्सा में डाक्ट
दूसें की शिक्षा देना।

(घ) प्रत्येक सम्भव उपाय द्वा

(ङ) ऊपर लिखे गए रोगों की

(च) नेत्र रोग तथा दूसरे रो
तैयार करना, प्रचार क

वर्तमान

१. श्री सेठ युगलकिशोर
न्यू

२. श्री कृष्णदास जी जा

३. „ भक्त नन्दकिशोर

॥ ओ३म ॥

सन्त परमानन्द नेत्र सुधारक संघ

(Sant Parmanand Blind Relief Mission)

—:o:—

संघ का प्रधान कार्यालय देहली में रहेगा, अथवा ऐसी जगह जो संघ की प्रबन्ध समिति समय समय पर निर्धारित करे।

संघ के उद्देश्य

(क) नेत्र अस्पताल खोलना, नेत्र वार्ड खोलना, चलते फिरते अस्पताल खोलना और चक्षुदान यज्ञों की आयोजना करके अन्धता व नेत्र रोगों का निवारण करना!

(ख) ठीक समय पर उपयुक्त तथा प्राथमिक चिकित्सा द्वारा रोक थाम के अन्य उपायों तथा साहित्य एवं व्याख्यानों द्वारा अन्धापन और नेत्र रोगों को रोकना और शास्त्र विरुद्ध चिकित्सा से रोगियों को बचाना!

(ग) नेत्र चिकित्सा से डाक्टर, विद्यार्थी, नर्स, डैसर्स आदि को उत्तम दर्जे की शिक्षा देना!

(घ) प्रत्येक सम्भव उपाय द्वारा अन्धों की सहायता करना!

(ङ) ऊपर लिखे उद्देश्यों की पूर्ति के लिये सब आवश्यक कार्य करना!

(च) नेत्र रोग तथा दूसरे रोगों की अनुभूत औषधियों की खोज करना, तैयार करना, प्रचार करना तथा वितरण करना!

वर्तमान कार्य कारिणी समिति

१. श्री सेठ जुगलकिशोर जी बिरला, ५ अलबुकर्क रोड, न्यू देहली। — अध्यक्ष

२. श्री कृष्णदास जी जाजू, सेवाग्राम, वर्धा (मध्यप्रदेश)। — उपाध्यक्ष

३. „ भक्त नन्दकिशोर जी मोरपंखवाला, रेवाड़ी आश्रम। — „

४. श्री हरिकृष्ण अग्रवाल, एम० ए०, २ टोडरमल लेन, बाबर रोड, नई देहली । — अवैतनिक प्रधान मन्त्री

५. श्री रायबहादुर गयाप्रसाद जी, २४ फायर ब्रिगेड लेन, नई देहली । — अवैतनिक संयुक्त मन्त्री

६. श्री मूलचन्द जी बगड़िया, सेक्रेटरी बिरला मिल्स, सब्जीमण्डी, देहली । — कोषाध्यक्ष

७. श्री जस्टिस चन्द्रभान जी अग्रवाल, जज हाईकोर्ट, इलाहाबाद । — सदस्य

८. श्री प्रताप सेठ, मालिक प्रतापमिल्स (पूर्व खानदेश) — ”

९. ,, सूर्यनारायण जी कोतवाल वाले रईस, ११ बाजार लेन, बाबर रोड, नई देहली । — ”

१०. श्री हरप्रसाद जी, कोठी मनीराम रामचन्द्रमल, नौघरा, किनारी बाजार, देहली । — ”

११. श्री रायबहादुर नारायणदास जी, रिटायर्ड इन्जीनियर, २१ पूसारोड, नई देहली । — ”

१२. श्री सरदारबहादुर बहादुरसिंह जी कन्ट्रैक्टर, १ हनुमान रोड, नई देहली । — ”

१३. श्री जनार्दन भट्ट एम० ए०, बिरला लाइन्स, सब्जी मण्डी, देहली । — ”

१४. श्री चण्डीप्रसाद जी वैद्य, बिरला मन्दिर, नई देहली । — ”

१५. ,, सांवलदास जी लोहिया, मालिक फर्म छोटेलाल सांवलदास हौजकाजी, सिरकीवालान, देहली । — ”

१६. श्रीमती कुमारी सूरजदेवी जी भगवत-भक्ति आश्रम, रेवाड़ी । — सदस्या

१७. ,, कमलादेवी जी भगवत-भक्ति आश्रम, रेवाड़ी । — ”

भूमिका

भारत में अन्धता के सम्बन्ध में यद्यपि कोई निश्चित आंकड़ा प्राप्त नहीं है, किन्तु यह अनुमान किया जाता है कि हमारे देश में साठ लाख ऐसे व्यक्ति हैं जो पूर्ण रूप से अन्धे हैं अथवा लगभग अन्धे हो चुके हैं। इनमें से लगभग चालीस लाख ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें फिर से देखने की शक्ति प्राप्त हो सकती है और उनका रोग दूर हो सकता है। इस प्रकार अन्धता के रोग की भयंकरता क्षय रोग तथा कुष्ठ रोग से किसी प्रकार भी देश में कम नहीं है।

यद्यपि सरकारी अस्पताल इस दिशा में कार्य करते हैं परन्तु उनकी संख्या बहुत थोड़ी है। इसके अतिरिक्त उनमें नेत्र रोगों से पीड़ित रोगियों के लिये स्थान भी आवश्यकता के अनुसार बहुत ही कम हैं।

ग़ैर सरकारी डाक्टरों का खर्च सामान्य स्थिति के लोगों की सामर्थ्य के बाहर है। परिणाम यह होता है कि गांव के लोग तथा निर्धन प्रायः नीम हकीमों के फेर में पड़ जाते हैं, जिससे उनकी और भी अधिक हानि हो जाती है। यह ठीक है कि देश में प्रत्येक प्रकार के रोग को रोकने तथा किसी भी रोग से पीड़ित रोगियों के उपचार का पूर्ण रूप से उत्तरदायित्व वहां की सरकार पर है। जब तक सरकार द्वारा नेत्र रोगियों की चिकित्सा के लिए कोई समुचित योजना नहीं बन जाती तब तक के लिए हमारे मिशन जैसी संस्थाओं के द्वारा ही इस ओर प्रभूत सेवा की जा सकती है। जनता में भी इस प्रकार के कार्यों को आरम्भ करने के लिये सर्व प्रथम कोई न कोई व्यक्ति ही आगे आता है। वह व्यक्ति भी कोई विशेष प्रभावशाली और असाधारण होता है। अंग्रेजी शासन काल में ग़ैर सरकारी संस्था द्वारा एक विशाल पैमाने पर स्थायी रूप से अन्धों की चिकित्सा का श्री गणेश करने वाले सर्वप्रथम महात्मा श्री १०८ स्वामी परमानन्द जी महाराज थे।

—:★:—

संस्था की स्थापना

श्री १०८ स्वामी परमानन्द जी महाराज एक उच्चकोटि के परोपकारी तथा ईश्वर भक्त महात्मा थे। इन्होंने रेवाड़ी में श्री भगवद्भक्ति आश्रम की स्थापना की थी और प्रभु भक्ति का उपदेश दिया करते थे। अकस्मात स्वामी जी की आँख में काँटा लगने से इन्हें मोतियाबिन्दु हो गया। श्री स्वामी जी की आँख का आपरेशन करने के लिये मोगा निवासी सुप्रसिद्ध नेत्र सर्जन रायबहादुर डाक्टर मथुरादास जी पहवा को उक्त आश्रम पर बुलाया गया। डाक्टर जी ने श्री स्वामी जी की आँख का आपरेशन किया किन्तु उन्हें आराम नहीं आया। डाक्टर जी को पुनः रेवाड़ी आश्रम बुलाया गया और यह किम्वदन्ति है कि जिस समय यह निश्चय किया गया कि भविष्य में आश्रम की ओर से ग़रीबों के नेत्रों की मुफ्त चिकित्सा कराई जाया करेगी, उसी समय तुरन्त श्री स्वामी जी के नेत्रों को आराम आगया।

इस प्रकार सर्वप्रथम चक्षुदान यज्ञ कैम्प रेवाड़ी में श्री डाक्टर मथुरादास जी पहवा द्वारा कराया गया। इसी अवसर पर श्री स्वामी जी महाराज की आँख ठीक हुई। इसी समय से इस कार्य की नींव पड़ी। इसके पश्चात दो कैम्प और रेवाड़ी में ता० २ मार्च सन् १९३३ तथा ता० ३ अप्रैल सन १९३३ को हुये। सन १९३४ में श्री स्वामी जी महाराज ने इस कार्य को सुव्यवस्थित रूप से चलाने के लिये एक नियमित संस्था का रूप दे दिया। संस्था के आरम्भ काल से लेकर कई वर्ष तक श्री स्वामी जी महाराज के अनन्य भक्त श्री नन्दकिशोर जी मोरपंख वाला इस कार्य को सुचारु रूप से चलाने में प्रयत्न शील रहे।

भारतवर्ष के कई स्थानों में चक्षुदान यज्ञ (कैम्प) समय समय पर बड़ी सफलता पूर्वक होते रहे हैं। आरम्भ से ता० ३१ मार्च १९५२ तक ३०५ कैम्प हो चुके हैं। इन कैम्पों में तथा संघ के स्थायी अस्पताल देहली में ९१,२८१ (इकानवे हज़ार दो सौ इकासी) आपरेशन हो चुके हैं। इस विषय में विशेष उल्लेखनीय बात यह है कि सफल आपरेशनों का औसत ९८ प्रतिशत से अधिक रहा है।

महात्मा गांधी मिशन द्वारा वर्धा का कैम्प देख रहे हैं।

ी स्थापना

ी महाराज एक उच्चकोटि के परोप
रेवाड़ी में श्री भगवद्भक्ति आश्रम
उपदेश दिया करते थे। अक
ाने से इन्हें मोतियाबिन्दु हो ग
ान करने के लिये मोगा नि
क्टर मथुरादास जी पहवा को
ी ने श्री स्वामी जी की आँख
न नहीं आया। डाक्टर जी को
किम्वदन्ति है कि जिस समय
आश्रम की ओर से ग़रीबों के
ी, उसी समय तुरन्त श्री स्वामी

यज्ञ कैम्प रेवाड़ी में श्री डाक
। इसी अवसर पर श्री स्वामी
मय से इस कार्य की नींव प
ें ता० २ मार्च सन् १९३३
१९३४ में श्री स्वामी जी महार
ाने के लिये एक नियमित सं
काल से लेकर कई वर्ष
श्री नन्दकिशोर जी मोरपंख
यत्न शील रहे।

ान यज्ञ (कैम्प) समय समय
भ से ता० ३१ मार्च १९५२
ा संघ के स्थायी अस्पताल
ी) आपरेशन हो चुके हैं।
कि सफल आपरेशनों का आँक

महात्मा गांधी मिशन द्वारा वर्षों का कैम्प देख रहे हैं।

बनमनखी (पूर्णिया, बिहार) में माननीय पं० विनोदानन्द 'झा' हैल्थ मिनिस्टर बिहार सरकार कैम्प का उद्घाटन कर रहे हैं।

काठमाण्डू (नैपाल) कैम्प
शमशेर जंग बहादुर रा

ारानन्द 'झा' हैल्थ मिनिस्टर
कर रहे हैं।

काठमाण्डू (नैपाल) कैम्प के अवसर पर हिज हाईनैस महाराजा मोहन शमशेरजंग बहादुर राणा तथा उनकी सरकार के मुख्य पदाधिकारी व मिशन के कार्यकर्ता।

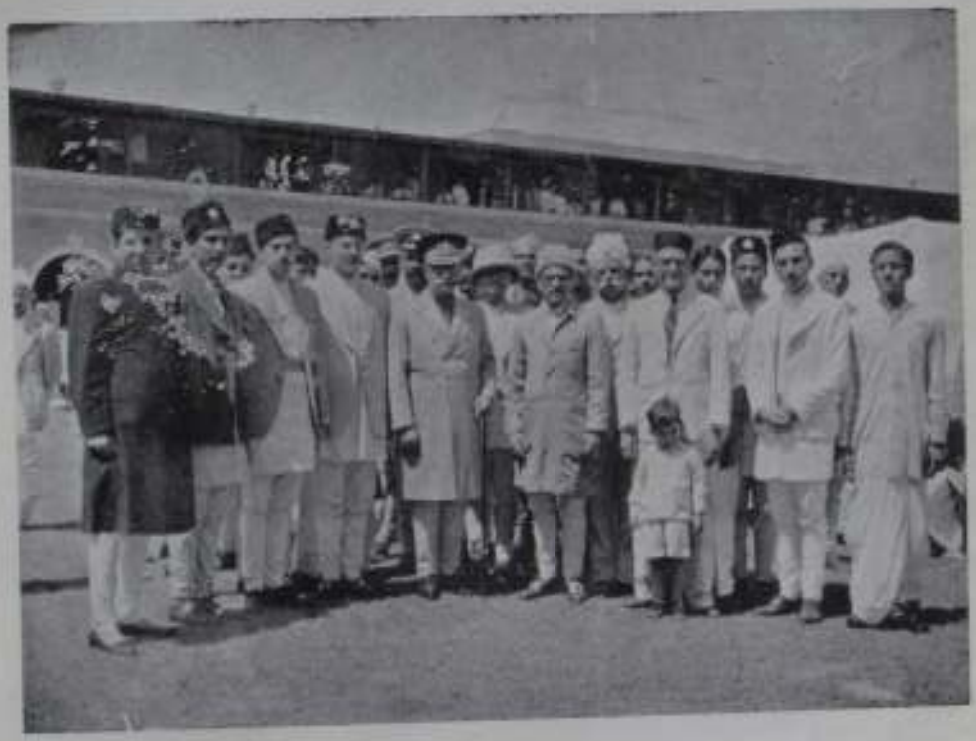

जगन्नाथपुरी के कैम्प में माननीय पं० लिङ्गराज मिश्र स्वास्थ्य मन्त्री ओड़ीसा सरकार चक्षुदान यज्ञ का उद्घाटन कर रहे हैं।

यह ऊपर ही क
निर्धन व्यक्तियों के लिये
प्रकार की कोई फ़ीस नहीं
स्थान के कोई धनी मानी
अथवा वहां की सरकार
चिकित्सा कैम्प कराने के
उस समय उस समस्त
है। यह सज्जन निर्धन
आदि का भी प्रबन्ध
(तम्बू) छोलदारियां,
करते हैं।

जब संघ को
अथवा कार्यकर्ता उस
वाले सज्जन संघ के का
ऐसे व्यक्तियों को भेज
उन ग्रामों में जाकर हो
से अधिक से अधिक
सकें और उनको हो
सूचना दी जा सके।

युवा, वृद्ध,
रोग से पीड़ित होते
पर कैम्प में आ जा
परीक्षा करते हैं।
पड़वाल, फूला, नाखू
नेत्रों की स्थिति आप
हैं। जो नेत्र बिना
सम्मति तथा दो मास
रोगियों को चश्मे भी
चश्मे नहीं खरीद स

राज मिश्र स्वास्थ्य मन्त्री
घाटन कर रहे हैं।

चक्षुदान यज्ञ (कैम्प)

यह ऊपर ही कहा जा चुका है कि चक्षुदान यज्ञ विशेष रूप से निर्धन व्यक्तियों के लिये लगाये जाते हैं, जिनमें रोगियों से किसी भी प्रकार की कोई फीस नहीं ली जाती। अतः इस योजना के अनुसार किसी स्थान के कोई धनी मानी सज्जन, अथवा वहां के कुछ ऐसे सज्जन मिलकर, अथवा वहां की सरकार या कोई सार्वजनिक संस्था अपने यहाँ नेत्र चिकित्सा कैम्प कराने के लिये संघ को आमन्त्रित करते हैं। यह सज्जन उस समय उस समस्त व्यय को उठाते हैं जो उन कैम्पों में किया जाता है। यह सज्जन निर्धन तथा असमर्थ रोगियों के लिये दूध, भोजन आदि का भी प्रबन्ध करते हैं और कैम्पों के लिये स्थान, मकान, डेरे (तम्बू) छोलदारियां, पानी, रोशनी तथा सफाई आदि का भी प्रबन्ध करते हैं।

जब संघ को आमन्त्रित किया जाता है तो संघ के प्रचारक अथवा कार्यकर्ता उस स्थान पर पहुंच जाते हैं। संघ को आमन्त्रित करने वाले सज्जन संघ के कार्यकर्ता के साथ आसपास के ग्रामों में अपने २-२ ऐसे व्यक्तियों को भेज देते हैं जो उन ग्रामों से परिचित हों। यह लोग उन ग्रामों में जाकर होने वाले कैम्पों का प्रचार करते हैं ताकि उन क्षेत्रों से अधिक से अधिक संख्या में इलाज के लिये अन्धे मनुष्य जुटाये जा सकें और उनको होने वाले कैम्पों के स्थान तथा निश्चित तिथियों की सूचना दी जा सके।

युवा, वृद्ध, बालक, स्त्री पुरुष जो भी किसी प्रकार के नेत्र रोग से पीड़ित होते हैं और जो इलाज कराना चाहते हैं, नियत समय पर कैम्प में आ जाते हैं। संघ के योग्य सर्जन उनके नेत्र रोगों की परीक्षा करते हैं। जिन रोगियों को सफेद मोतिया, काला मोतिया, पड़वाल, फूला, नाखूना, भेंगापन, नासूर आदि रोग होते हैं और उनके नेत्रों की स्थिति आपरेशन के योग्य होती है तो आपरेशन कर दिये जाते हैं। जो नेत्र बिना आपरेशन के ठीक हो सकते हैं, उनको उस प्रकार की सम्मति तथा दो मास के लिये औषधि दे दी जाती है। मोतियाबिन्दु के रोगियों को चश्मे भी थोड़े दामों पर दिये जाते हैं। जो निर्धन रोगी यह चश्मे नहीं खरीद सकते उनको बिना मूल्य भी चश्मे दिये जाते हैं।

चक्षुदान यज्ञों की उपयोगिता

तारीख ३१ मार्च सन् १९५२ तक इसी संस्था के ३०५ चक्षुदान यज्ञ भारत और नैपाल में हो चुके हैं, जिन में ६१,२८१ आपरेशन हो चुके हैं और लाखों रोगियों की चिकित्सा हो चुकी है। कई अन्य संस्थायें इस संस्था के नाम से चक्षुदान यज्ञ करती हैं और औषधि बेचती हैं।

कई प्रान्तीय सरकारें भी सरकारी डाक्टरों द्वारा चक्षुदान यज्ञ कराने लग गई हैं और जो विरोध पहिले था वह प्रायः निर्मूल हो गया है। ऐसी अवस्था में अब चक्षुदान यज्ञों की उपयोगिता बतलाना पिष्ट पोषण है।

किन्तु एक दूसरा खतरा खड़ा हो गया है। कई जगह स्वार्थी लोग केवल धनोपार्जन के लिये ही चक्षुदान यज्ञ करते हैं। यहाँ तक कि कुछ कम्पाउन्डर तथा शस्त्र चिकित्सा न जानने वाले भी अपने आपको डाक्टर कह कर गांवों में जा जाकर भोले गांव वालों को बहका कर रुपया ले लेते हैं और आपरेशन कर देते हैं, जिस से चक्षुदान यज्ञों की बदनामी होती है और दूसरे डाक्टरों को इस प्रथा को बदनाम करने का अवसर मिल जाता है। जनता तथा सरकार को इस ओर ध्यान देना चाहिये और जहाँ योग्य सर्जन तथा अनुभवी सेवा करने वाले न हों, ऐसे चक्षुदान समारोहों को सार्वजनिक हित की दृष्टि से रोकना चाहिये।

संघ का स्थायी अस्पताल

संघ का स्थायी अस्पताल आनन्द पर्वत करौलबाग देहली में है। उसमें ५८ बैड (लोहे के स्प्रिङ्गदार पलंग) हैं जो इमारत के दोनों बड़े हाल और बाक़ी के कमरों में हैं। नीचे मरदाना वार्ड है और ऊपर जनाना वार्ड है।

जाड़ों में रोगियों की संख्या अधिक हो जाती है। तब उनके लिये ७८ तम्बू लगा कर ठहरने का प्रबन्ध किया जाता है।

कमरों और तम्बुओं में कुल इन्डोर रोगियों की संख्या एक सौ छयासी तक पहुंच गई है। यह संख्या सीजन में अर्थात् जाड़ों ही में होती है।

इसके अतिरिक्त नं० १८ / ५३ स्कूल रोड, करौलबाग तथा उसके पास और दो मकानों में स्पेशल वार्ड रक्खे गये हैं, जहाँ, जो रोगी अलग रहना चाहते हैं, उनके लिये प्रबन्ध है। नौम्बर से लेकर मई तक जो रोगी इनमें रहना चाहें वह पहिले से लिखा पढ़ी करके जगह पक्की कर लेवें, जिससे उन्हें प्रतीक्षा न करनी पड़े, क्योंकि इनमें २५ रोगियों से अधिक के लिये एक समय में स्थान नहीं रहता।

वर्ष के भीतर लगभग १५०० आपरेशन के रोगी इन्डोर विभाग में रहते हैं और दूसरे रोगी जिन को आपरेशन की आवश्यकता नहीं है किन्तु अस्पताल में रहना आवश्यक है, उनकी संख्या ५०० से ६०० तक होती है।

संघ का आउटडोर विभाग

संघ का आऊटडोर विभाग सन्तनगर करौलबाग देहली में है। संघ की स्थायी डिस्पेन्सरी है, इसके दो विभाग हैं:—

(क) नेत्र चिकित्सा विभाग—इसमें प्रतिदिन प्रायः २५० रोगी से लेकर ८०० तक आते हैं और सब की मुफ्त चिकित्सा की जाती है।

(ख) जनरल रोगी—सब प्रकार के रोगियों की चिकित्सा के लिये यह विभाग दो तीन वर्ष से खोल दिया गया है और इसमें प्रायः १०० से लेकर ४०० तक रोगी आते हैं, जिन को घर पर भी ले जाने के लिये ऐलोपैथिक दवा मुफ्त दी जाती है।

(ग) इसके अतिरिक्त संघ की दो स्थायी डिस्पेन्सरी बिहार में भी हैं। एक भाऊगञ्ज पटना सिटी में ता० ११ अगस्त १९५१ से अपना काम कर रही है। दूसरी कारपोरेशन बिल्डिङ्ग में काम कर रही है।

चलता फिरता नेत्र अस्पताल

अनेक ग्रामीण तथा अशिक्षित लोग नेत्र रोगों की उपेक्षा करके सदैव के लिये अज्ञान तथा प्रमाद के कारण अन्धे हो जाते हैं। खेती बाड़ी के कार्यों में व्यस्त रहने तथा धन के अभाव के कारण नेत्रों की

चिकित्सा नहीं करा पाते। अतः ग्राम ग्राम में घूम कर प्राथमिक नेत्र चिकित्सा करने की ओर भी संघ प्रयत्नशील रहता है। संघ अपना चलता फिरता अस्पताल ग्राम ग्राम में सर्वसाधारण को लाभ पहुंचाने के लिये भेजता है। वहां पर रोगियों को दो मास के लिये शीशियों में आवश्यक औषधि ड्रापर सहित दी जाती है। यह कार्य भारत सरकार के प्रौढ़ शिक्षा विभाग के साथ तथा उनके सहयोग से किया जाता है। गतवर्ष जो ऐसे रोगियों की चिकित्सा की गई, उन की संख्या ६,००६ थी और जो औषधि ड्रापर सहित शीशियों में दी गई, उन शीशियों की संख्या ६,०३७ थी।

नेत्र रोग निवारक अन्य प्रचार

नेत्र रोग निवारक विषयक कई हैन्डबिल, पैमफलेट, पुस्तिका आदि के रूप में साहित्य तैयार किया हुआ है, जिन्हें जन साधारण में वितरण किया जाता है तथा मैजिक लालटेन के द्वारा भी प्रचार किया जाता है।

सेठ रघुनाथसिंह जी मानसिंहका जिन्होंने भीलवाड़ा, विजय नगर, शाहपुरा आदि कई स्थानों में कैम्प कराये।

भीलवाड़ा (राजस्थान) में चक्षुदान यज्ञ का एक दृश्य

सेठ रघुनाथसिंह जी मानसिंहका जिन्होंने भीलवाड़ा, विजय नगर, शाहपुरा आदि कई स्थानों में कैम्प कराये।

भीलवाड़ा (राजस्थान) में चक्षुदान यज्ञ
का एक दृश्य

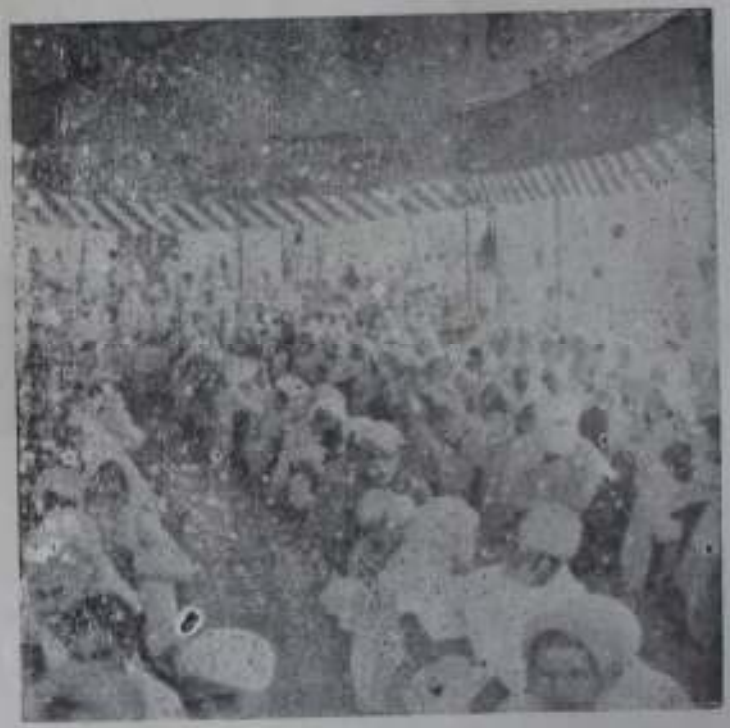

बिहार में मिशन का चलता फिरता अस्पताल।

कुरुक्षेत्र में सूर्यग्रहण के अवसर पर श्रीमान देवेन्द्रस्वरूप ब्रह्मचारी जी द्वारा चतुर्दान यज्ञ के समय डिप्टी कमिश्नर करनाल।

पताल ।

स्वरूप ब्रह्मचारी जी
र करनाल ।

नैपाल के प्रधान मंत्री मिशन के डाक्टर द्वारा आपरेशन देख रहे हैं।

मिशन का देहली में चलता फिरता अस्पताल।

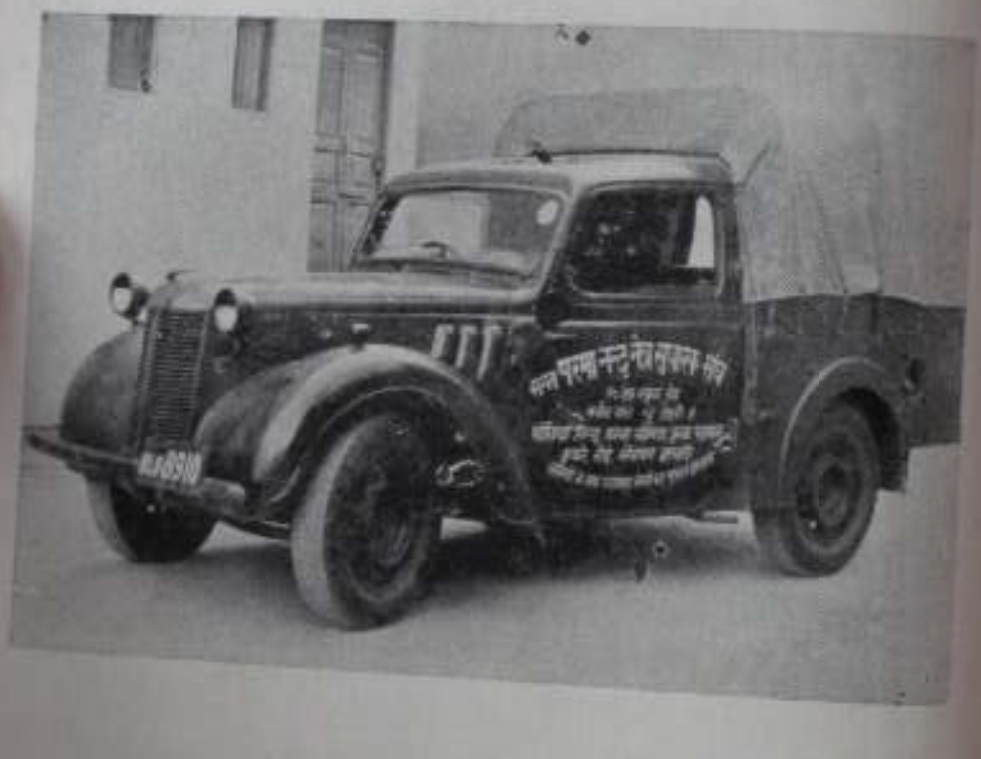

नेत्रहीनों कि

१. अपने क्षेत्र में नेत्र सुधा
२. बड़े बड़े नगरों में नेत्र
३. हमारे मिशन के मुफ्त
अधिक रोगियों को भे
४. अन्धेपन को रोकने के
५. अन्धेपन को रोकने के
६. नेत्र रोग सम्बन्धी
कीजिये।
७. असाध्य नेत्रहीन व्यक्ति
८. असहाय, निराश तथा
सहायता कीजिये।
९. यदि आप देश में से अ
सन्तति को इस रोग से

सन्त परमान

करौ

स्वा

और उसकी तन

प्रेस वालों तथा

देहली तथा देहली के
तथा कार्य विवरण को अपने
को प्रोत्साहित किया है, संघ
करता है कि भविष्य में
होता रहेगा।

संघ सरकारी रेडियो
चक्षुदान यज्ञों की सूचना जन

नेत्रहीनों की सहायता कीजिये !

१. अपने क्षेत्र में नेत्र सुधार मेले (चक्षुदान यज्ञ) कराइये !
२. बड़े बड़े नगरों में नेत्र चिकित्सालय खोलिये।
३. हमारे मिशन के मुफ्त नेत्र चिकित्सालयों तथा कैम्पों में अधिक से अधिक रोगियों को भेजिये।
४. अन्धेपन को रोकने के विषय में साहित्य वितरण कीजिये।
५. अन्धेपन को रोकने के उपायों पर व्याख्यान दीजिये।
६. नेत्र रोग सम्बन्धी अनुभूत औषधियों को प्राप्त कर वितरण कीजिये।
७. असाध्य नेत्रहीन व्यक्तियों को दस्तकारी आदि की शिक्षा दीजिये।
८. असहाय, निराश्रित तथा घर विहीन अन्धों को अपनाइये और उनकी सहायता कीजिये।
९. यदि आप देश में से अन्धेपन को मिटाना चाहते हैं और भावी सन्तति को इस रोग से बचाना चाहते हैं तो:—

सन्त परमानन्द नेत्र सुधारक संघ

करौलबाग़ देहली में

सम्मिलित हों

और उसकी तन-मन-धन से सहायता करें !

प्रेस वालों तथा रेडियो विभाग का आभार

देहली तथा देहली के बाहर जिन समाचार पत्रों ने संघ के समाचारों तथा कार्य विवरण को अपने पत्रों में समय समय पर प्रकाशित कर संघ को प्रोत्साहित किया है, संघ उन सब का आभार मानता है और आशा करता है कि भविष्य में भी उनका सहयोग तथा प्रोत्साहन प्राप्त होता रहेगा।

संघ सरकारी रेडियो विभाग का भी आभारी है जिसने संघ के चक्षुदान यज्ञों की सूचना जन साधारण को दी है।

भ्रम-निवारण

हमारी प्राचीन संस्था 'संत परमानन्द नेत्र सुधारक संघ' है। इस संस्था के वैतनिक कर्मचारियों में एक श्री कुमारपाल जी सन् १९४५ तक वैतनिक कर्मचारी रह चुके हैं, जिन्हें संघ की ओर से १५०) रु० मासिक वेतन मिलता था। उन्होंने 'अखिल भारत नेत्र सुधार संघ' नाम से संस्था बना ली है और अपनी रिपोर्ट में जहाँ अन्य अनेक निराधार बातें लिखी हैं वहाँ 'सन्त परमानन्द नेत्र सुधारक संघ' को अपनी नई संस्था के आधीन लिखकर जनता में भ्रम फैलाया है, अतः उसको निवारण करना और सत्य बात को जनता जनार्दन के समक्ष रखना हमारे लिये अनिवार्य बन गया है।

श्री कुमारपाल जी ने "सन्त परमानन्द नेत्र सुधारक संघ" के वैतनिक कर्मचारी की हैसियत से सन १९४५ तक जहाँ जहाँ कार्य किया था—उस सब को अपनी नई संस्था की रिपोर्ट में—

"अखिल भारत नेत्र सुधार संघ, देहली
के आधीन
सन्त परमानन्द नेत्र सुधारक संघ की मार्फत
१९४५ से पहिले श्री कुमारपाल जी द्वारा आयोजित
चक्षुदान यज्ञ"

शीर्षक से पृष्ठ सं० ११ से १४ तक १११ चक्षुदान यज्ञों की सूची देकर न केवल अनधिकार चेष्टा की है; प्रत्युत जनता के समक्ष अपनी चतुराई से सत्य को छिपाया है!

पाठक महानुभाव सोचें कि सन् १९३४ में ब्रह्मभूत परमहंस श्री १०८ स्वामी परमानन्द जी महाराज ने इस संस्था को स्थायी रूप दिया था और तभी से यह संस्था कार्य कर रही है फिर वह सन् १९४५ के पश्चात बनी संस्था अखिल भारत नेत्र सुधार संघ के आधीन किस प्रकार हो गई?

जिन १११ चक्षुदान यज्ञों की सूची श्री कुमारपाल जी ने अपनी रिपोर्ट में अपने नाम से दी है—वह 'सन्त परमानन्द नेत्र सुधारक संघ' की सन् १९४७ तक की अंग्रेजी भाषा की प्रकाशित रिपोर्ट से पृष्ठ नं० २६ से लेकर १३६ तक का अनुवाद है। यह समस्त कैम्प सन्त परमानन्द नेत्र

सुधारक संघ ने किये हैं। इ
और असत्य वर्णन की चर

२-श्री कुमारपाल
वैतनिक कर्मचारी रहे हैं—
कर्मचारी को कोई संस्था स
नहीं होता। वैतनिक कर्म
जाते हैं उनका श्रेय उसी
वैतनिक कर्मचारी कार्य

श्री कुमारपाल जी
और नीति चातुर्य्य से लि
मिलता है कि मानों सारे
और सारी संस्थायें आप के

यह दावे कहाँ तक
'सन्त परमानन्द नेत्र सुधार
उद्देश्य से स्थिति स्पष्ट क
सचेत रहे और किसी को
उन संस्थाओं के संचालक

दान दाता

जो दानवीर महानु
पुनीत कार्य के लिये धन र
कार ने इन्कम टैक्स न लि
गया होगा तो वह दानदा

देखो भारत सरक
दूसरे पृष्ठ पर छपी है।

सुधारक संघ ने किये हैं। इसे श्री कुमारपाल जी की ढिठाई की पराकाष्ठा और असत्य वर्णन की चरम सीमा ही कहा जा सकता है।

२–श्री कुमारपाल जी 'सन्त परमानन्द नेत्र सुधारक संघ' के वैतनिक कर्मचारी रहे हैं—इस से वे इन्कार नहीं कर सकते। वैतनिक कर्मचारी को कोई संस्था स्थापित अथवा आयोजित करने का अधिकार नहीं होता। वैतनिक कर्मचारियों द्वारा जो कैम्प (चक्षुदान यज्ञ) कराये जाते हैं उनका श्रेय उसी संस्था को होता है जिसकी ओर से वह वैतनिक कर्मचारी कार्य करता है।

श्री कुमारपाल जी की रिपोर्ट भ्रम उत्पन्न करने वाली असत्य और नीति चातुर्य्य से लिखी गई है, उसके पढ़ने से ऐसा आभास मिलता है कि मानों सारे नेत्र चिकित्सक आपके यहाँ काम करते हों और सारी संस्थायें आप के ही आधीन हों!

यह दावे कहाँ तक सत्य हैं, पाठक स्वयं विचार सकते हैं। हमने 'सन्त परमानन्द नेत्र सुधारक संघ' के सम्बन्ध में जनता की विज्ञप्ति के उद्देश्य से स्थिति स्पष्ट कर के भ्रम निवारण कर दिया है ताकि जनता सचेत रहे और किसी को धोखा न हो! दूसरी संस्थाओं के सम्बन्ध में उन संस्थाओं के संचालक जानें।

दान दाताओं को शुभ-सूचना

जो दानवीर महानुभाव 'संत परमानन्द नेत्र सुधारक संघ' को उसके पुनीत कार्य के लिये धन राशि दान में देते हैं, उस राशि पर भारत सरकार ने इन्कम टैक्स न लिये जाने की घोषणा की है, और यदि ले लिया गया होगा तो वह दानदाता को वापिस लौटाया जायगा।

देखो भारत सरकार की चिट्ठी जो इसी रिपोर्ट में टाइटिल के दूसरे पृष्ठ पर छपी है।

—:o:—

चक्षुदान यज्ञ के विषय में
आदरणीय सम्मतियाँ

महात्मा गांधी:—

इस शिविर में किये जाने वाला बहुसंख्यक नेत्र रोगियों का आपरेशन यज्ञ कहा जाता है। यह अवश्य ही एक यज्ञ है, क्योंकि निःस्वार्थ भाव से किया हुआ प्रत्येक सेवा कार्य यज्ञ है।

ऐसा कोई भी मानव कार्य नहीं था जिस के लिये जमनालाल जी तय्यार नहीं रहते थे। यह उन के लिये व्यापार कार्य के समान ही स्वाभाविक था।

मैं आशा करता हूं कि यह योजना उन की मृत्यु से रुक नहीं जायेगी।

श्री पं० जवाहरलाल नेहरू प्रधानमन्त्री, भारत सरकार:—

इस दुःखी देश में बहुत सी बीमारियां हैं और उन में अन्धता तथा आंख की दूसरी बीमारियां भी हैं। इन में से कितनी तो अवश्य ही दुःसाध्य हैं। परन्तु बहुत सी तो आँखों की भली भांति रक्षा करने से मिट सकती हैं, विशेष कर बचपन की अवस्था में।

मैं चाहता हूं कि माता, पिता, शिक्षक तथा दूसरे लोग इस पर गम्भीरता से विचार करें और कमर बांध कर आँखों के रोगों को दूर करें।

श्री पट्टाभि सीतारमय्या वर्तमान राज्यपाल (मध्यप्रदेश):—

"सर्वेन्द्रियाणां नयनं प्रधानम्"—यह एक पुरानी कहावत है। सब इन्द्रियों में नेत्र प्रधान हैं। थोड़ा ध्यान देने से भी पता चल जाता है कि नेत्र के बहुत से रोग हैं जो दुरुस्त किये जा सकते हैं व पूरी तरह मिटाये जा सकते हैं। यह बातें ऐसी हैं कि कहने मात्र से स्वीकृत होती हैं तो उन को अवश्य कार्य रूप में परिणत करना चाहिये।

सेठ श्री जमनालाल

श्री सन्त परमान
की व्यवस्था इस प्रान्त
धर्म तथा उपयोगिता क
से अधिक महत्व देता ह
इस प्रकार प्रकाश और
कार्य है।

मैं इस प्रान्त के
इस संस्था की इस निःस्
बैठे यह सुअवसर सदा

ले० कर्नल कुरुकशैंक

मैंने ३३३ नेत्र
किया, अत्युत्तम था।
दृष्टि से की। जो कुछ

हिज हाईनेस ३ सर
राणा, प्रधान मंत्री

सन्त परमानन्द
जो सराहनीय सेवा की,
मैं उसकी प्रशंसा मुक्त
सुधारक संघ को नेत्रों के
गई थीं। मिशन के का
कार्य पूर्ण किया। उनक

श्रीमान हिज एक्सले
बिहार:—

मैंने सन्त परमा
हाल में निरीक्षण किया

सेठ श्री जमनालाल बजाज:—

श्री सन्त परमानन्द नेत्र सुधारक संघ की ओर से नेत्र दान यज्ञ की व्यवस्था इस प्रान्त में नेत्र रोगियों के लिये एक अलभ्य वरदान है। धर्म तथा उपयोगिता की दृष्टि से मैं इसे अन्य प्रचलित उत्सव समारोहों से अधिक महत्व देता हूं। यदि निःशुल्क शिक्षा महादान माना जाय तो इस प्रकार प्रकाश और नेत्र दृष्टि का दान यज्ञ भी वैसा ही महापुण्य का कार्य है।

मैं इस प्रान्त के सब ही नेत्र रोगियों से प्रार्थना करूंगा कि वे इस संस्था की इस निःशुल्क और सुन्दर चिकित्सा से लाभ उठावें। घर बैठे यह सुअवसर सदा हाथ नहीं आता।

ले० कर्नल कुरुकशैंक, चीफ मैडिकल ऑफिसर, दिल्ली प्रान्त:—

मैंने ३३३ नेत्र रोगियों की उनकी पहिली ट्रेसिङ्ग का निरीक्षण किया, अत्युत्तम था। मैंने कुछ आपरेशनों की परीक्षा आलोचनात्मक दृष्टि से की। जो कुछ मैंने देखा उससे मुझे बड़ा सन्तोष हुआ।

हिज हाईनेस ३ सरकार महाराजा मोहन शमशेर जंग बहादुर, राणा, प्रधान मंत्री व सुप्रीम कमान्डर इन चीफ, नैपाल:—

सन्त परमानन्द नेत्र सुधारक संघ ने नैपाल के नेत्र रोगियों की जो सराहनीय सेवा की, उसका वर्णन करते हुये मुझे हर्ष होता है और मैं उसकी प्रशंसा मुक्त कंठ से करता हूं। पिछले दो वर्षों में इस नेत्र सुधारक संघ को नेत्रों के ६ केन्द्र नैपाल में खोलने के लिये सुविधायें दी गई थीं। मिशन के कार्य कर्ताओं ने बड़े उत्साह और लग्न से सेवा का कार्य पूर्ण किया। उनकी सफलता सदा सराहनीय रही है।

श्रीमान हिज एक्सलेन्सी एम० एस० अणे, राज्यपाल (गवर्नर) बिहार:—

मैंने सन्त परमानन्द नेत्र सुधारक संघ के पटना वाले केन्द्र का हाल में निरीक्षण किया और उनके कार्य कौशल तथा उत्साह से बहुत

अधिक प्रभावित हुआ। मिशन का यह सेवा कार्य सराहनीय है। मुझे जानकारी प्राप्त हुई है कि मिशन हजारों ही असमर्थ नेत्र रोगियों की निःशुल्क चिकित्सा करता है और फल सन्तोष जनक होता है।

श्रीमती राजकुमारी अमृतकौर, स्वास्थ्य मंत्राणी भारत सरकार:—

सन्त परमानन्द नेत्र सुधारक संघ को ५०००) की सहायता (ग्रान्ट) दी गई, क्योंकि मैं जानती हूं, वे उपयोगी कार्य कर रहे हैं।

डाक्टर के० सी० के० ई० राजा, डाइरेक्टर जनरल आफ़ हैल्थ सर्विसेज, भारत सरकार:—

कुछ महीने हुये जब राजकुमारी जी के साथ मैंने आप की संस्था का निरीक्षण किया। आप लोग नेत्र रोग से पीड़ितों के कष्ट निवारण का जो कार्य कर रहे हैं, उस से हम लोग बहुत प्रभावित हुये। ऐसे लोगों तथा अन्धों की देख भाल, चिकित्सा द्वारा समाज सेवा का एक विशाल क्षेत्र है, जिस में हमारे देश में बहुत कम कार्य हुआ है। इस कारण सन्त परमानन्द नेत्र सुधारक संघ की सेवाओं की जितनी सराहना की जाय थोड़ी है।

हिज़ एक्सलेन्सी सरदार सुरजीतसिंह मजीठिया भारत के भूतपूर्व राजदूत नैपाल:—

केन्द्रीय अस्पताल के निरीक्षण के समय मुझे इस संस्था के कार्य को देख कर बड़ी प्रसन्नता हुई। यहां खोई हुई ग़रीब लोगों की आंखों में फिर से ज्योति आ जाती है। मैंने मिशन के डाक्टर को मोतियाबिन्द के दो आपरेशन करते देखा। जिस तेजी से वे काम करते हैं वह आश्चर्य-जनक है। ऐसी और संस्थाओं से जहां पैसा कमाना उद्देश्य नहीं है, बल्कि ग़रीबों की सेवा करना ही ध्येय है, भारत को बहुत बड़ा लाभ होगा।

दो अमेरिकन नेत्र विशेषज्ञों की सम्मति:—

हम लोगों ने पटना सिटी ब्लाइन्ड रिलीफ़ कैम्प का आज प्रातः-काल निरीक्षण किया। जो अद्भुत कार्य वहां हो रहा है, उस से हम बहुत

प्रभावित हुये। मोतिय
उत्तम पाई गई।

पटना सिटी कै

**माननीय श्री दौलत
(जयपुर):—**

आपका चक्षुदान
में गांधीनगर (जयपुर
कर के डाक्टर महोदय

**मानयीय श्री चन्द्रभ
लखनऊ:—**

मुझे सन्त परमा
यज्ञ को देखने का अवस
हुआ। मुझे बतलाया
डाक्टर इन्चार्ज अपने क
कैम्प प्रान्त में दूसरी संस्
हुये अधिक से अधिक
से सम्बन्ध रखते हैं, वे
यह उत्तरदायित्व उन्होंने
बधाई देते हैं। इस संघ
उसका उत्साह बढ़ाना चा
अपने सहयोग से इस त
का क्लेश निवारण करने
को अपने कार्य में पूर्ण
अनुरोध करता हूं कि व

प्रभावित हुये। मोतियाबिन्द के आपरेशन के बाद रोगियों की दशा बहुत उत्तम पाई गई।

पटना सिटी कैम्प — इलिस गार्डनर एम० डी
जौनबार्टन एम० डी०

माननीय श्री दौलतराम मंडारी मिनिस्टर डेवलपमेन्ट राजस्थान (जयपुर):—

आपका चक्षुदान समारोह का उत्तम व प्रभावशाली कार्य हाल ही में गांधीनगर (जयपुर) में हुआ। उसकी मैं सराहना करता हूं। कृपा कर के डाक्टर महोदय को हमारी कृतज्ञता सूचित करें।

मानयीय श्री चन्द्रभान गुप्ता स्वास्थ्य मन्त्री, उत्तरप्रदेश सरकार, लखनऊ:—

मुझे सन्त परमानन्द नेत्र सुधारक संघ देहली के उन्नाव के चक्षुदान यज्ञ को देखने का अवसर मिला। मिशन का यह कार्य देख कर मैं प्रसन्न हुआ। मुझे बतलाया गया कि ३०० मोतियाबिन्द के आपरेशन हुए। डाक्टर इन्चार्ज अपने कार्य में बड़े उत्साहित प्रतीत हुये। इस प्रकार के कैम्प प्रान्त में दूसरी संस्थाओं ने भी किये हैं किन्तु आवश्यकता को देखते हुये अधिक से अधिक कैम्प होने चाहियें। जो लोग इन चक्षुदान यज्ञों से सम्बन्ध रखते हैं, वे हमारे धन्यवाद के पात्र हैं और जिस तरह से यह उत्तरदायित्व उन्होंने अपने कन्धे पर लिया है, उस पर हम उन्हें बधाई देते हैं। इस संघ की सब प्रकार से सहायता करनी चाहिये और उसका उत्साह बढ़ाना चाहिये, विशेष करके गैर सरकारी लोगों को जो अपने सहयोग से इस तरह के कैम्प लगा कर इस प्रान्त की दुःखी जनता का क्लेश निवारण करने में भाग ले सकते हैं। मैं चाहता हूं कि मिशन को अपने कार्य में पूर्ण सफलता मिले और उत्तर प्रदेश की जनता से अनुरोध करता हूं कि वह हृदय से मिशन को सहयोग प्रदान करे।

कमानडिंग जनरल बहादुर शमशेरजंग राणा, जी. बी. ई., के. सी. बी., जी. सी. सी. आई., जी. ओ. एल. एच.:—

त्रिपुरेश्वर नैपाल में सन्त परमानन्द नेत्र सुधारक संघ देहली ने जो कार्य किया है, मैं उस की सराहना में अपने भाव प्रकट करता हूं। मैं ने सारे स्टाफ को आदि से अन्त तक अपने कार्य में उत्साहित और कुशल पाया और उन्होंने चमत्कारिक फल दिखलाया। मिशन के इस उत्तम कार्य की जितनी भी प्रशंसा की जाय वह थोड़ी है। मैं हृदय से चाहता हूं कि मिशन अपने विश्व उपयोगी कार्य में सफलता पर सफलता प्राप्त करता चला जाय।

संत परमानन्द नेत्र सुधारक संघ, करौलबाग, नई देहली।

आय का लेखा (ता० १ मार्च १९४७ से ३१ मार्च १९५२ तक)

	१९४७–४८	१९४८–४९	१९४९–५०	१९५०–५१	१९५१–५२
दान द्वारा आय	४३८६ १ ३	९६६८ ३ ९	३९०२ ७ ०	८६०५ ६ ०	२६७३ ७ ९
गवर्नमेन्ट से सहायता	१४००० ० ०	१५००० ० ०	१३४०० ० ०	०३५००० ० ०	१५००० ० ०
प्राईवेट फीस	१२८५९ ० ०	२८२८७ ० ०	१४२१३ ० ०	१५११८ ० ०	६२९५ १२ ०
नेत्र परीक्षा	३२० ० ०	५२४ १ ०	७१२ १४ ०	१३३४ ० ०	१७०४ ० ०
चश्मों की बिक्री	२३७२ १३ ०	५१४५ १३ ०	४१७० ४ ३	१२८२७ २ ०	५३६३ ० ०
किराये से आय	३३९१ ० ०	५१३९ १५ ६	९७८६ १० ९	१०३४० ६ ०	९२९५ ० ६
ब्याज की आय	७६ ५ ०	—	२०३ १३ २	६४५ १ ०	९६२ १३ ६
कैम्पों से कन्ट्रीब्यूशन	१७४९३ ९ ९	—	—	—	—
औषधियों की बिक्री	—	—	३२८१ ० ६	९४३१ १२ ९	११५६० १० ०
कोर्ट द्वारा एवार्ड	—	—	—	—	३६१ १० ०
विविध आय	—	७३ १ ३	२५२ ७ ३	७०३ ० ०	२३७ १० ०
कुल जोड़	५४८९८ १३ ०	६३८३८ २ ६	४९९२५ ८ ११	९४००४ ११ ९	५३४५४ ० ३

०इसमें से २५०००) रुपये ३१ मार्च १९५१ के बाद आये हैं।

हस्ताक्षर— डी० पी० खोसला
चार्टर्ड एकाउन्टैन्ट

चान्दनी चौक, देहली।

संत परमानन्द नेत्र सुधारक संघ, करोलबाग़, नई देहली ।

व्यय का लेखा—(ता० १ मार्च १९४७ से ३१ मार्च १९५२ तक)

	१९४७–४८	१९४८–४९	१९४९–५०	१९५०–५१	१९५१–५२
स्टाफ़ को वेतन, प्राइवेट फ़ीस और पुरस्कार	३३६०३ १२ ३	४४८३० ६ ०	३९८०३ ९ ०	४३८५४ ४ ३	३७२९९ ३ ३
किराया	५५६७ १५ ९	५५२० ११ ०	७२१५ ३ ९	९०७१ १० ३	८३९४ ११ ३
छपाई और स्टेशनरी	१०५० ८ ६	१४८४ १५ ३	८८५ १२ ०	७४१ १३ ३	१२४८ १३ ३
डाक ख़र्च	४७१ ४ ३	७१५ १ ३	६०० १ ०	५९६ ६ ९	५२५ १४ ०
मार्ग व्यय	१७५३ १२ ०	१२७६ १ ०	१४६१ ३ ९	९२२ १ ०	१७७७ १३ ०
रोगियों को भोजन सामिग्री	९०३ ६ ०	३११ ११ ६	—	—	—
औषधियाँ और शीशियाँ	३७०१ १४ ३	७००८ ३ ९	१०५०८ १ ६	२६४२४ २ ३	२९७१६ ११ ९
कैम्पों का व्यय	१०६६ १४ ६	—	—	—	—
प्रचार एवं विज्ञापन	—	९०२ ३ ३	३६० १३ ६	४६० ४ ०	१४५ १३ ०
गाडियों की मरम्मत	—	५३५ ० ०	—	२४४५ १२ ०	५७१३ ११ ९
घिसाई की रक़म	१७९३ ९ ०	१७२० ४ ०	२९६६ ११ ०	१७५७ ७ ६	१८३५ ३ ०
टेलीफोन ख़र्च	—	—	८५ १४ ०	१९३ ९ ०	१८३ ११ ०

	—	—	८४० १५ ०	९७४ ६ ३	—
मुक़दमों का खर्च	—	—	—	७५४३ १३ ६	२७६१ ६ ९

औषधियाँ और शीशियाँ					
कैम्पों का व्यय	१०६६ १४ ६	—	—	—	
प्रचार एवं विज्ञापन	—	६०२ ३ ३	३६० १३ ६	४६० ४ ०	
गाड़ियों की मरम्मत	—	५३५ ० ०	—	२४४५ १२ ०	
घिसाई की रक़म	१७६२ ६ ०	१७२० ४ ०	२६६६ ११ ०	१७५७ ७ ६	
टेलीफोन खर्च	—	—	८४ १४ ०	१८३ ६ ०	१८३ ११ ०

			८४० १५ ०	६७४ ६ ३	—
मुक़दमों का खर्च	—	—	—	७५४३ १३ ६	२७६१ ६ ६
चश्मे खरीदे गये	—	—	—	२०७२ ७ ६	१७७७ ६ ०
औज़ारों की मरम्मत	—	—	—	—	५८ १५ ३
कपड़ा खरीदा गया	—	—	—	—	२३२ ४ ६
बट्टा खाता	२५६६ ६ ०	—	—	—	
जनरल चार्जेज (विविध व्यय)	५६० १३ ०	७६६ ८ ०	१४५३ १० ६	७३८ ६ ६	५२६ १३ ३
कुल जोड़	५३०७० ३ ६	६५००१ १ ०	६६१८० १५ ३	६७७६६ ८ ६	६२१६८ १० ०

हस्ताक्षर—डी० पी० खोसला

चार्टर्ड एकाउन्टैन्ट

चान्दनी चौक, देहली

सन्त परमानन्द नेत्र सुधारक संघ, करौलबाग़, नई देहली।

तल पट (बैलेन्स शीट) ता० १ मार्च १९४७ से ३१ मार्च १९५२ तक

पूञ्जी व देन (Liabilities)	१९४७–४८	१९४८–४९	१९४९–५०	१९५०–५१	१९५१–५२
अधिकृत पूञ्जी (जनरल फंड)	२८५५३ ० ६	२७३६० २ ०	११११३४ ११ ८	—	१५६०० ० ०
रिजर्व बट्टे खाते के लिये	२५९६ ६ ०	२५९६ ६ ०	२५९६ ६ ०	१९२ १ ३	—
लौरी फंड	८१०० ० ०	८१०० ० ०	८१०० ० ०	८१०० ० ०	—
विविध-करज	७६० ५ ०	७६० ५ ०	७६० ५ ६	३१६२ ५ ६	२३५८ ७ ९
भवन फंड	—	३०१५८ ९ ३	५०२७६ ९ ६	६७९८१ ३ ३	७१७२६ १५ ६
विहार गवर्नमेन्ट की सहायता	—	—	—	२५००० ० ०	—
देहली म्यूनि० कमेटी की सहायता	—	—	—	—	३००० ० ०
आय व्यय का हिसाब	—	—	—	—	२६१ १३ ११
कुल जोड़	४०००९ ११ ६	६९००५ ६ ३	७२८६८ ० ८	१०४४३५ १० ०	९२९४७ ५ २

हस्ताक्षर—डी० पी० खोसला
चार्टर्ड एकाउन्टैन्ट

चान्दनी चौक, देहली।

सन्त परमानन्द नेत्र सुधारक संघ, करौलबाग़, नई देहली।

तलपट—(Assets) सम्पत्ति व लेन(ता० १ अप्रैल १९४७ से ३१ मार्च १९५२ तक)

	१९४७–४८	१९४८–४९	१९४९–५०	१९५०–५१	१९५१–५२

कुल जोड़ ४०००९ ११ ६ ६९००५ ...

हस्ताक्षर—डी० पी० खोसला
चार्टर्ड एकाउन्टैन्ट

चान्दनी चौक, देहली ।

सन्त परमानन्द नेत्र सुधारक संघ, करोलबाग़, नई देहली ।

तलपट—(Assets) सम्पत्ति व लेन (ता० १ अप्रैल १९४७ से ३१ मार्च १९५२ तक)

	१९४७–४८	१९४८–४९	१९४९–५०	१९५०–५१	१९५१–५२
फ़र्नीचर आदि	३५३९ १४ ०	४५७५ ० ०	४६३३ ० ६	४६६१ ० ०	५१०७ ० ०
औज़ार	४६९८ १२ ०	६७०० ० ०	६१३४ ४ ०	७७१३ ० ०	६८०२ ० ०
अस्पताल की विविध वस्तुएँ	६२२ ८ ०	१८६५ ० ०	२१६४ ४ ०	१६१६ २ ०	११९९ ० ०
स्टॉक और स्टोर	२७३९ ८ ९	४३७७ १२ ६	६१४२ ६ ३	१६९८१ २ ६	१४९४१ ० ०
उचन्ती लेखा	४१९२ ४ ९	४५७३ १४ ३	३६६७ ७ ०	२१५५ २ ६	३३९५ ५ ३
इन्वैस्टमैन्ट शेयर टाटा लि० आदि	१०४ ० ०	१०४ ० ०	१०४ ० ०	—	२१२८४ १४ ०
अमानत	—	—	१५ ० ०	२८० ० ०	२८० ० ०
आय व्यय का हिसाब	—	—	—	९३४ ८ ४	—
गाड़ियाँ	—	—	७४३ ० ९	२२२० ६ ०	१०६०० ६ ०
नकद और बैंक में जमा	२४११८ १२ ०	४६७७९ ११ ६	४९८६४ १० २	६७८७४ ४ ८	२९३६७ ११ ११
कुल जोड़	४०००९ ११ ६	६९००५ ६ ३	७२८६८ ० ८	१०४४३५ १० ०	९२९४७ ५ २

हस्ताक्षर—डी० पी० खोसला
चार्टर्ड एकाउन्टैन्ट

चान्दनी चौक, देहली

सन्त परमानन्द नेत्र सुधारक संघ, करौलबाग़, नई देहली।

	स्थान	तारीख	कुल संख्या	दवाइयां	अप्रेशन	किसने कराया
१	रेवाड़ी आश्रम	२६-१-३३	१२	५	७	श्री १०८ स्वामी परमानन्द जी महाराज
२	"	२-३-३३			१६८	श्री स्वामी परमानन्द जी महाराज
३	"	३-४-३३	३०००	२०००	१८१	" " "
४	फिरोजपुर झिरका	२५-२-३४	४०००	१५००	१०३	
५	आश्रम रेवाड़ी	११-४-३४	१०००	५००	६२	
६	गोवर्द्धन (वृन्दावन)	१५-४-३४	८०००	४०००	२३१	
७	"	३०-३-३५	१५००	१०००	१५२	
८	वृन्दावन	१७-४-३५	३०००	१५००	२२६	
९	रेवाड़ी आश्रम	२८-४-३५	२५००	१५००	२१०	
१०	देहरादून	१६-९-३५	८०००	१५००	४५६	
११	शिमला	२५-९-३५	२०००	१२०६	३७२	हर ऐक्सीलेन्सी लेडी विलिंगडन और बहुत से राजे महाराजे उपस्थित थे उनकी देख रेख में हुआ।
१२	रावलपिंडी	९-१०-३५	४०००	१५००	२३५	
१३	कुरुक्षेत्र	१४-१०-३५	५०६०	२०००	६२९	
१४	अलाहाबाद	१-१-३६	५००	२५०	१८१	
१५	झुंझुनू	२०-२-३६	८०००	२०००	६७९	सेठ चिमनराम जी मोतीलाल एण्ड रामकृष्ण जी डालमियां
१६	रेवाड़ी आश्रम	४-३-३६	५५००	३०००	४५०	
१७	"	४-४-३७	७०००	१७००	५१९	
१८	डलमियां नगर	९-४-३७	६०००	१५००	७७८	सेठ रामकृष्ण जी डालमियां
१९	संगरूर	१३-२-३८	१५००	५००	१७८	जींद स्टेट
२०	देहली	२४-३-३८	११५००	३०००	७५०	सेठ मिजकीराम जी दौलतराम देहली

१२	रावलपिंडी	६-१०-३५	४०००	१५००	२३५	
१३	कुरुक्षेत्र	१४-१०-३५	५०६०	२०००	६२६	
१४	अलाहाबाद	१-१-३६	५००	२५०	१८१	
१५	झुँझुनू	२०-२-३६	८०००	२०००	६७६	सेठ चिमनराम जी मोतीलाल एण्ड रामकृष्ण जी डालमियां
१६	रेवाड़ी आश्रम	४-३-३६	५५००	३०००	४५०	
१७	"	५-४-३७	७०००	१७००	५१६	
१८	डलमियां नगर	६-४-३७	६०००	१५००	७७८	सेठ रामकृष्ण जी डालमियां
१६	संगरूर	१३-२-३८	१५००	५००	१७८	जींद स्टेट
२०	देहली	२४-३-३८	११५००	३०००	७५०	सेठ मित्रकीराम जी दौलतराम देहली
२१	रेवाड़ी आश्रम	२६-३-३६	१५००	६००	१८४	
२२	वृन्दावन	२८-११-३६	४०००	१२१०	३६७	श्री स्वामी उडिया बाबा, पं० जवाहरलाल जी नेहरू ने देखा
२३	रेवाड़ी आश्रम	२-४-४०	२०००	१०००	२५२	
२४	डालमियां दादरी	१२-४-४०	१५००	६००	२००	जींद स्टेट की तरफ से
२५	गोवर्द्धन	२६-४-४०	१०००	५००	१४२	सेठ रामरिखदास जी परसराम पुरिया बम्बई
२६	अमलनेर	२२-१०-४०	१५०००	५०००	१०६२	प्रताप सेठ अमलनेर
२७	देहली	७-४-४१	५०००	२०००	६११	ला० मलकराम ठेकेदार न्यू देहली
२८	रेवाड़ी आश्रम	१५-४-४१	१५००	१०००	२३५	
२६	रिखीकेश	४-६-४१	५००	३००	६१	
३०	बीकानेर	२२-१०-४१	१५००	१०००	२७३	बीकानेर स्टेट
३१	रतनगढ़	२४-१०-४१	२०००	६००	२६१	स्थानीय जनता
३२	वृन्दावन	२२-११-४१	१०००	१०५०	७६५	सेठ हरगुलाल जी व सेठ बिरला जी
३३	वर्धा सी. पी.	२७-१-४२	१०००	३०००	३६४	स्थानीय जनता मुख्यतः सेठ जमनालाल जी बजाज

नं०	स्थान	तारीख	कुलसंख्या	दवाईयाँ	अप्रेशन	किसने कराया
३४	बनारस	२२-२-४२	५००	५०	६२	सेठ जुगलकिशोर जी बिरला
३५	रेवाड़ी आश्रम	८-२-४२	१०००	२००	२११	लोकल जैन्ट्री
३६	देहली	२१-३-४२	१००००	१०००	७०४	गुप्तनाम
३७	हापुड़	८-४-४२	५०००	१२००	६३७	स्थानीय जनता
३८	नांगलोई	१७-१-४३	३००	१६०	५	
३६	नजफ़गढ़	२४-१-४३	३००	१८०	७	स्थानीय जनता
४०	बवाना	३१-१-४३	२५०	१५०	०	" "
४१	नरेला	७-२-४३	६००	५००	२२	आर्य हिन्दू धर्म सेवा संघ की सहायता से
४२	पालम	१४-२-४३	२००	१००	०	" " "
४३	मेहरोली	२१-२-४३	१०००	५००	७०	स्थानीय जनता
४४	कंजवाला	७-३-४३	८००	३००	३५	" "
४५	शाहदरा	११-३-४३	६००	१५०	२७	सेठ सुमतप्रसाद जी जैन
४६	बारापत (टटीरी)	२३-३-४३	१०००	४००	१२१	लाला चैतनलाल गणपतराय जी
४७	हापुड़	२७-३-४३	५०००	१०००	६७५	स्थानीय जनता
४८	देहली (करौलबाग़)	३०-३-४३	४०००	१०००	४८५	सेठ रामकृष्णदास डालमियां
४६	रेवाड़ी आश्रम	३१-४-४३	१५००	३००	२६६	स्थानीय जनता
५०	रोहतक	५-५-४३	७००	३००	४४	"

नं०	स्थान	तारीख	कुलसंख्या	दवाइयाँ	अप्रेशन	किसने कराया
५१	जींद आश्रम	२०-५-४३	३६२	२६२	०	आर्य हिन्दू धर्म सेवा संघ देहली
५२	जुलाना	२५-५-४३	३००	२४०	०	" " "
५३	सांपला	३१-५-४३	५८७	४६२	०	" " "
५४	बहादुरगढ़	८-६-४३	१००	१००	०	" " "

४५	शाहदरा	२१-३-४३	१०००	४००	१२१	लाला चेतनलाल गणपतराय जी
४६	बारापत (टटीरी)	२३-३-४३	१०००	४००	६७५	स्थानीय जनता
४७	हापुड़	२७-३-४३	५०००	१०००	५८५	सेठ रामकृष्णदास डालमियां
४८	देहली (करौलबाग)	३०-३-४३	४०००	१०००	२६६	स्थानीय जनता
४९	रेवाड़ी आश्रम	३१-४-४३	१५००	३००	४४	”
५०	रोहतक					

नं०	स्थान	तारीख	कुलसंख्या	दवाइयाँ	अप्रेशन	किसने कराया
५१	जींद आश्रम	२०-५-४३	३६२	२६२	०	आर्य हिन्दू धर्म सेवा संघ देहली
५२	जुलाना	२५-५-४३	३००	२४०	०	” ” ”
५३	सांपला	३१-५-४३	५८७	४६२	०	” ” ”
५४	बहादुरगढ़	८-६-४३	१००	१००	०	” ” ”
५५	विजवासन	१४-६-४३	२५०	२२४	०	” ” ”
५६	गढ़ीहरसरू	२२-६-४३	२००	१८७	०	” ” ”
५७	पटोदी रोड़	२६-६-४३	५००	४५०	०	” ” ”
५८	सांपला	२१-१०-४३	३५०	१००	३७	स्थानीय जनता
५९	नजफगढ़ देहली	२८-१०-४३	२५०	६५	३०	” ”
६०	देहली	१४-११-४३	२०००	८००	१५०	” ”
६१	दनकौर	२६-११-४३	३०००	१०००	२३०	” ”
६२	फरूखनगर	३-१२-४३	१६००	६००	१३०	” ”
६३	कोसली	८-१२-४३	२०००	८००	१४०	भगत बहादुर
६४	मुरादाबाद यू. पी.	१३-१२-४३	५००	१२५	६५	ला० अलखधारी डा० वैश्य
६५	नारनौल (पंजाब)	२४-१२-४३	२०००	८००	३०४	सेठ रामकृष्ण जी
६६	खैरगांव (आरा)	२५-१२-४३	२०००	५००	३०३	स्थानीय जनता
६७	बल्लभगढ़ (पंजाब)	१०-१-४४	३०००	८००	२४४	बोहरा मिल्स

नं०	स्थान	तारीख	कुल संख्या	दवाइयाँ	अप्रेशन	किसने कराया
६८	नागपुर (C.P.)	१७-११-४४	६०००	३२००	६३३	सी. पी. सरकार तथा स्थानीय जनता
६९	अमरावती (बरार)	२४-१-४४	६०००	३५००	१००६	सी. पी. सरकार और धरमादा कमेटी
७०	कोसीकलाँ (यू. पी.)	२८-१-४४	३५००	८५०	४८०	लोकल मरचेन्ट
७१	बड़ौत (मेरठ)	११-२-४४	८००	४००	१३०	लोकल जैन्ट्री
७२	यवतमाल (C.P.)	१५-२-४४	२५००	६००	२८२	स्थानीय जनता और (C.P.) सरकार
७३	गाजियाबाद (यू. पी.)	२२-२-४४	२०००	४५०	१८०	सेठ बनवारीलाल, डा० मनोहर लाल जी
७४	हिंगनघाट (C.P.)	२४-२-४४	५०००	१०००	३७१	स्थानीय जनता और C. P. सरकार
७५	बादली (पंजाब)	२८-२-४४	१०००	२००	६८	स्थानीय जनता
७६	हाथरस (यू. पी)	१-३-४४	५०००	६००	३८६	" "
७७	सिरसा (पंजाब)	११-३-४४	४०००	११००	५७८	सेठ रामदत्त जी
७८	बुलन्दशहर (यू. पी)	२०-३-४४	३०००	२०००	८७२	स्थानीय जनता
७९	देहली	२६-३-४४	३०००	१०००	२६२	सेठ एल. एन. आहूजा जी
८०	रायपुर (C.P.)	३०-३-४४	६०००	१०००	५८२	सी. पी. सरकार और मोहनलाल जी नाथानी, और जनता
८१	हापुड़ (यू. पी)	४-४-४४	१०००	७००	५००	स्थानीय जनता
८२	सीकर (जयपुर)	११-४-४४	३०००	१८००	३५०	जमनालाल जी बजाज की पत्नी द्वारा
८३	घरोंडा (पंजाब)	१४-४-४४	२०००	१०००	२५०	स्थानीय जनता
८४	बैजनाथ (कांगड़ा)	२०-४-४४	१२५	५६	१४	सनातन धर्म सभा (पंजाब)
८५	ग्वालियर (C.I.)	२३-४-४४	३०००	१०००	२१६	जी. सी. मिल
८६	भटिंडा	३-४-४४	१०००	४००	८३	सेठ मिडोमल
८७	दुलेड़ा (पंजाब)	८-६-४४	७००	२७६	५८	सेठ सूरजभान जी
८८	मंडेला (देहली)	१४-६-४४	७५०	२७४	५५	चौ० हुकुमचन्द

७९	देहली	३०-३-४४	६०००	१०००	५८२	सी. पी. ... और जनता
८०	रायपुर (C.P.)	५-४-४४	१०००	७००	५००	स्थानीय जनता
८१	हापुड़ (यू. पी)	११-४-४४	३०००	१८००	३५०	जमनालाल जी बजाज की पत्नी द्वारा
८२	सीकर (जयपुर)	१४-४-४४	२०००	१०००	२५०	स्थानीय जनता
८३	घरौंडा (पंजाब)					

८४	बैजनाथ (कांगड़ा)	२०-४-४४	१२५	५६	१४	सनातन धर्म सभा (पंजाब)
८५	ग्वालियर (C.I.)	२३-४-४४	३०००	१०००	२१६	जी. सी. मिल
८६	भटिंडा	३-४-४४	१०००	४००	८३	सेठ मिडोमल
८७	दुलेड़ा (पंजाब)	८-६-४४	७००	२७६	५८	सेठ सूरजभान जी
८८	मंडेला (देहली)	१४-६-४४	७५०	२७४	५५	चौ० हुकुमचन्द
८९	नवादा	२०-६-४४	५००	२००	५०	स्थानीय जनता
९०	भरथल	२८-६-४४	३००	१४७	३५	" "
९१	समाल (पंजाब)	२७-७-४४	३५०	१८६	४१	सेठ बख्तावरलाल
९२	नागलोई (देहली)	३१-७-४४	३००	६७	०	चौ० हुकुमचन्द
९३	म्हारोडा (देहली)	६-४-४४	३५०	२२६	०	चौ० भरतसिंह
९४	हसनगढ़ (पंजाब)	१३-८-४४	२५००	६५६	२४५	स्थानीय जनता
९५	सेकड़ा (यू. पी.)	२४-८-४४	१५००	५००	१३४	" "
९६	खुडन (पंजाब)	२८-८-४४	२०००	६००	१५१	पं० मुरारीलाल जी
९७	बापल (नाभा)	१८-९-४४	१८००	५००	१५२	ला० जवाहरलाल जी
९८	पटौदी (पटौदीरोड़)	३१-९-४४	२०००	६००	२२४	सेठ शिवनारायण जी चतुरभुज जी
९९	बादशाहपुर	१९-१०-४४	१५००	५००	१३५	स्थानीय जनता
१००	फतेहपुर (जयपुर)	२१-१०-४४	२०००	६००	१६२	सेठ मुरलीधर जी चौधरी
१०१	फरीदाबाद	२७-१०-४४	२२००	११२५	२२५	स्थानीय जनता

नं०	स्थान	तारीख	कुलसंख्या	दवाइयाँ	अप्रेशन	किसने कराया
१०२	देहली	१-११-४४	३०००	१४६०	२८६	गुप्तदान से
१०३	मुरादाबाद	५-११-४४	५२२५	२६००	५०७	ला० अलखधारी एण्ड स्पिनिंगमिल्स
१०४	उकलाना मण्डी	२३-११-४४	५०२०	२४८०	४६३	ला० छबीलदास जी
१०५	खंडवा	३०-११-४४	४०१०	२०७०	३६७	ला० ईश्वरीदास वल्लभदास जी
१०६	नरवाणा मण्डी	१-१२-४४	३१२०	१६६०	३१६	स्थानीय जनता
१०७	होडल	२४-१२-४४	३०२०	१५३०	३०७	" "
१०८	चिरगांव (झांसी)	२४-१२-४४	२०००	१०००	१६८	बा० हरगोविन्द गुप्ता
१०६	निस्वरी	२८-१२-४४	८००	२००	३८	स्थानीय जनता
११०	साहनपुर	२५-१-४५	४०००	२०१०	४००	रावचन्द्रराज शरणसिंह
१११	पथरौट	४-२-४५	१०००	१७५	३३	रा० सा रामकिशन
११२	झांसी	१८-२-४५	२४००	१२८०	२३४	स्थानीय जनता
११३	मंडोठी	२१-२-४५	१०००	४५५	८६	" "
११४	गांगलोई	२८-२-४५	१३७०	६८५	१३३	" "
११५	गन्नौर	४-३-४५	१०१०	५२०	६८	" "
११६	खरड़	५-३-४५	१०००	२००	३५	" "
११७	फेवर	१०-३-४५	५०५०	२५२५	५०१	" "
११८	रिंधाना	१३-३-४५	२२००	१०५०	२१८	सेठ प्रभुदयाल रामनारायण जी

११९	इलिचपुर (C.P.)	२०-३-४५	४४००	२१६०	४३६	सी. पी. सरकार और स्थानीय जनता।
१२०	हरसोड (सी. पी.)	२४-३-४५	२०००	६८०	१६४	सी. पी. सरकार और सेठ पूनमचन्द गुप्ता
१२१	अकोला (बरार)	२६-३-४५	१०६००	५२८०	१०५६	सी. पी. सरकार और स्थानीय जनता।
१२२	नागपुर	४-४-४५	५३००	२७१०	५२१	" " "
१२३	जबलपुर	७-४-४५	२२००	१२६०	२५६	" " "

११३	मंडोठी	२१-२-४५	१०००		१३३	,,	,,
११४	गांगलोई	२८-२-४५	१३७०	६८५	६८	,,	,,
११५	गन्नौर	४-३-४५	१०१०	५००	३५	,,	,,
११६	खरड़	५-३-४५	१०००	२००	५०१	,,	,,
११७	भेवर	१०-३-४५	५०५०	२५२५	२१८	सेठ प्रभुदयाल रामनारायण जी	
११८	रिंधाना	१३-३-४५	२२००	१०५०			
११९	इलिचपुर (C.P.)	२०-३-४५	४४००	२१९०	५३६	सी. पी. सरकार और स्थानीय जनता।	
१२०	हरसोड (सी. पी.)	२४-३-४५	२०००	६८०	१६४	सी. पी. सरकार और सेठ पूनमचन्द गुप्ता	
१२१	अकोला (बरार)	२६-३-४५	१०६००	५२८०	१०५६	सी. पी. सरकार और स्थानीय जनता।	
१२२	नागपुर	४-४-४५	५३००	२७१०	५२१	,, ,, ,,	
१२३	जबलपुर	७-४-४५	२२००	१२६०	२५६	,, ,, ,,	
१२४	रेवाड़ी	११-४-४५	३१५०	१७४०	३२५	रा. सा. बनवारीलाल जी भार्गव	
१२५	काठा (मेरठ)	१७-४-४५	१०००	२४०	४६	स्थानीय जनता	
१२६	बारापत	२२-४-४५	१६२०	६००	१६०	,, ,,	
१२७	मंडोला	२६-४-४५	१०००	३२५	६३	,, ,,	
१२८	बैतुल (C. P.)	३-६-४५	३१००	१६७०	३१३	सी. पी. सरकार और स्थानीय जनता	
१२९	वाँकुड़ा (बंगाल)	२०-६-४५	४२१०	२६००	३४०	सेठ जयदयाल जी गोयनका	
१३०	पुरलिया	२५-७-४५	३७००	२८७०	३५२	स्थानीय जनता	
१३१	दुलेड़ा (गुड़गाँव)	२६-७-४५	१०००	४०५	७७	,, ,,	
१३२	टाटानगर	८-८-४५	२२००	१४००	१५४	,, ,,	
१३३	मोठ की मसजिद	२६-८-४५	१०००	४००	१२०	पं. लीलाराम	
१३४	पंचगांव	३१-८-४५	१०००	३००	५१	स्थानीय जनता	
१३५	बहू (रोहतक)	२८-९-४५	१०००	४००	७८	,, ,,	
१३६	महम (रोहतक)	९-१०-४५	१२००	५५०	११३	ला. मूलचन्द जी सुपुत्र ला० पन्नालाल	

१६८	सांभर लेक	१४-११-४६	[illegible]	१५००	३५०	सेठ पूपालाल जी मानसिंहका
१६९	शाहपुरा (मेवाड़)	६-१२-४६	३०००	१५००	३५०	कुँवर दिग्विजयसिंह जी रईस
१७०	कुचेसर (बुलंदशाहर)	१३-१२-४६	२०००	५००	२१८	

नं०	स्थान	तारीख	कुलसंख्या	दवाइयाँ	ओप्रेशन	किसने कराया
१३७	सिसाना (रोहतक)	१८-१०-४५	२२००	१२००	२२१	गौशाला सिसाना
१३८	कलकत्ता	१८-१०-४५	१२५००	१०५००	४६८	सेठ मगनीराम रामकुमार जी बाँगड़
१३९	मुलतान सिटी	२५-१०-४५	४५००	२५००	४२६	सेवा समिति मुलतान सिटी
१४०	रोहतक	२५-११-४५	३५००	२०००	३६३	ला. प्रभुदयाल रामनारायण जैन
१४१	आभोर मण्डी	१-१२-४५	४०००	१८००	४०२	न्यू चैम्बर आफ कामर्स लि०
१४२	मिंचनाबाद	२१-१२-४५	१५००	६००	११३	सेठ सूरजभान भगीरथमल
१४३	मानसा मण्डी (पटियाला)	२५-१२-४५	२०००	८००	१६८	सेठ इन्द्रसेन रामजीदास
१४४	जैतूमण्डी (नाभा)	१६-१-४६	१२००	५२५	१००	सेठ गोपीराम हज़ारीलाल
१४५	फूलमण्डी	२६-१-४६	३०००	१५००	३०४	स्थानीय जनता
१४६	कैलाशनगर (देहली)	५-२-४६	५००	२५०	३२	श्री महावीरप्रसाद अमृलाल ठेकेदार
१४७	कालपी	७-२-४६	२५००	१४००	२७४	हरगोविन्द गुप्ता
१४८	लक्ष्मणगढ़	१७-२-४६	१५००	८५०	१४६	स्थानीय जनता
१४९	रामामण्डी (पंजाब)	२२-२-४६	२६००	१५००	४६६	महाशय तिलकराम जी गुप्ता
१५०	मण्डी कालां वाली	२५-२-४६	१०००	५८२	८४	समाज मण्डी
१५१	मूसानगर	१४-३-४६	२०००	८००	१८८	स्वा० केवलानन्द बी. ए.
१५२	बड़ोपल (हिसार)	२२-३-४६	१०००	५००	१०३	ला. छबीलदास जी प्रधान क्राथ ऐशोसियेसन

१५३	बड़वा (हिसार)	६-४-४६	२५००	१२००	२४३	रा. सा. सेठ परसराम हरकरनदास
१५४	नारनौल	२७-४-४६	२२००	१०००	१६५	चौ. वारूसिंह और पं. मंगलराम
१५५	कंवाली	१४-५-४६	१०००	२००	०	
१५६	हरिद्वार	७-६-४६	१०००	३००	६६	महन्त शान्तानन्द नाथ
१५७	लक्ष्मणझूला(हृषीकेश)	११-६ ४६	८००	२००	४०	गुप्तदान से
१५८	बावली	२१-७-४६	२०००	७००	१७१	सूबेदार अमनसिंह
१५९	सूजरा	२३-७-४६	१०००	४५०	८८	चौ. बेगराम तथा चौ. पलटूसिंह
१६०	गोला	४-८-४६	१०००	२५०	४८	चौ. टेकचन्द
१६१	भोराकलाँ	३०-८-४६	२०००	७००	१६१	चौ. अमनसिंह नम्बरदार
१६२	खैरथल मण्डी	१०-९-४६	३५००	१२००	३५२	ट्रेड कमेटी
१६३	बसवा	१७-९-४६	३०००	१०००	२६९	" "
१६४	खेरली	२-१०-४६	४५००	१२००	४८६	" "
१६५	दुलेड़ा	७-१०-४६	१०००	४००	९५	मेसर्स टेकचन्द रूपनारायण सदर बाजार देहली
१६६	मीलवाड़ा (मेवाड़)	३०-१०-४६	३०००	१५००	२६९	सेठ पूपालाल जी मानसिंहका
१६७	बड़ौत	११-११-४६	२७००	१३००	२५९	व्यौपार चैम्बर लि०
१६८	सांभर लेक	१४-११-४६	२५००	१३५०	२६२	सेठ श्री नारायण रामदेव
१६९	शाहपुरा (मेवाड़)	६-१२-४६	३०००	१५००	३५०	सेठ पूपालाल जी मानसिंहका
१७०	कुचेसर (बुलंदशहर)	१३-१२-४६	२०००	५००	२१८	कुँवर दिग्विजयसिंह जी रईस

नं०	स्थान	तारीख	कुलसंख्या	दवाइयाँ	अप्रेशन	किसने कराया

नं०	स्थान	तारीख	कुलसंख्या	दवाइयाँ	अप्रेशन	किसने कराया
१७१	कुचामन सिटी.	१८-१२-४६	३०००	६००	२५८	सेठ चैनसुख गंभीरमल
१७२	गोपालगंज (बिहार)	२३-१२-४६	२५००	१५००	५७३	बाबू भूलनसिंह जी एम. एल. ए.
१७३	डीडवाणां	१-१-४७	२०००	७५०	१७३	सेठ मगनीराम जी बाँगड़
१७४	भागलपुर	१६-१-४७	१५००	८००	२३७	सेठ जोलीराम महेशका
१७५	सुजानगढ़ (बीकानेर)	२-२-४७	१५००	४००	१३५	सुजानगढ़ नागरिक सेवा समिति
१७६	राजगढ़	५-२-४७	१२००	५६०	१२५	सेठ रामनारायण जी टीकमानी
१७७	नरसिंहपुर (सी.पी.)	१३-३-४७	५५००	१५००	३२२	जिला कांग्रेस कमेटी और सी. पी. सरकार
१७८	वृन्दावन	२०-३-४७	५०००	२५००	५२६	रा. बा. हरगुलाल
१७९	गाडरवारा	२५-३-४७	५०५०	२५००	६०२	सी. पी. सरकार और स्थानीय जनता
१८०	हरदा (सी. पी.)	४-४-४७	१०००	४००	१०२	नगर कांग्रेस कमेटी और सी. पी. सरकार
१८१	भिलसा (ग्वालियर)	६-४-४७	६००	४००	१२०	सेठ राजमल जी वकील
१८२	बख्तावरपुर (देहली)	२८-४-४७	५००	२००	३५	स्थानीय जनता
१८३	सोलन (शिमला)	२-६-४७	१७००	६००	२७२	सेठ शिवदयाल जी जंगबहादुर ठेकेदार
१८४	दुलीना	३१-७-४७	३००	२००	६६	चौ. रघुवीरसिंह जी मजिस्ट्रेट
१८५	राँची (बिहार)	८-८-४७	२०००	५००	४६	बड़ालाल कन्दर्पनाथ शाह उद्घाटन माननीय श्रीकृष्ण-सिंह जी प्रधानमंत्री बिहार सरकार
१८६	नीमच कैन्ट सी.पी.	१८-१०-४७	३०००	१२००	३७१	सेठ मोतीलाल
१८७	मेरता कैन्ट	३०-१०-४७	२०००	८००	१५७	सेठ बांकेदास मूलराज और चांदमल फतेराज
१८८	बीना	२५-११-४७	१०००	३००	६४	सेठ पी. आर अग्रवाल चे. म्यु. कमेटी
१८९	छपरा (बिहार)	५-१२-४७	२०००	८००	२०७	सेठ हरगोविन्द जी और मारवाड़ी समाज
१९०	गंगापुर (जैपुर)	६-१२-४७	३०००	१०००	१६६	वा. श्यामलाल जी एडवोकेट
[illegible]	[illegible] (बिहार)	[illegible]	३५००	१३००	२६६	सेठ अनूपलाल जी मेहता (उद्घाटन माननीय

१८३	सोलन (शिमला)	२-६-४७	१७००	६००	६६	चौ. रघुवीरसिंह जी मजिस्ट्रेट
१८४	दुलीना	३१-७-४७	३००	२००	५६	बड़ालाल कन्दर्पनाथ शाह उद्घाटन माननीय श्रीकृष्ण-सिंह जी प्रधानमंत्री बिहार सरकार
१८५	राँची (बिहार)	८-८-४७	२०००	५००		
१८६	नीमच कैन्ट सी.पी.	१८-१०-४७	३०००	१२००	३७१	सेठ मोतीलाल
१८७	मेरता कैन्ट	३०-१०-४७	२०००	८००	१५७	सेठ बांकेदास मूलराज और चांदमल फतेराज
१८८	बीना	२५-११-४७	१०००	३००	६४	सेठ पी. आर अग्रवाल चे. म्यु. कमेटी
१८९	छपरा (बिहार)	५-१२-४७	२०००	८००	२०७	सेठ हरगोविन्द जी और मारवाड़ी समाज
१९०	गंगापुर (जैपुर)	६-१२-४७	३०००	१०००	१९६	बा. श्यामलाल जी एड्वोकेट
१९१	बनमनखी(बिहार)	१५-१२-४७	३५००	१३००	२९९	सेठ अनूपलाल जी मेहता (उद्घाटन माननीय विनोदानन्द जी झा मन्त्री बिहार सरकार)
१९२	गोपालगंज (बिहार)	२४-१२-४७	६०००	२०००	५०६	बा. भूलनसिंह जी एम. एल. ए.
१९३	खेकड़ा	२-१-४८	७००	२००	५३	स. रतनसिंह
१९४	पढ़ार मण्डी	७-१-४८	१५००	६००	१८६	स्थानीय जनता
१९५	वीरगंज (नैपाल)	१५-१-४८	२५००	१५००	५०३	" "
१९६	बेतिया (बिहार)	२४-१-४८	५०००	२०००	५१६	बेतियाराज
१९७	निवाई (जयपुर)	२५-१-४८	३०००	१५००	३८५	स्थानीय जनता
१९८	सवाई माधोपुर(जैपुर)	२७-१-४८	१२००	६००	२३०	सेठ राधाकृष्ण जी वकील
१९९	बूंदी	१५-२-४८	२०००	५००	३३६	बूंदी स्टेट
२००	मोतीहारी (बिहार)	१५-२-४८	२०००	१०००	४१८	श्री के. एन सिन्हा D. C., विपिन बिहारी वर्मा, जे. एन प्रसाद और स्थानीय जनता
२०१	शिवपुरी (ग्वालियर)	१८-२-४८	२०००	१०००	१७५	सेठ कालूराम जी हनुमान मिल
२०२	बगहा (बिहार)	२५-२-४८	१५००	६५०	११४	सेठ रघुनाथप्रसाद जी गुप्ता और स्थानीय जनता

नं०	स्थान	तारीख	कुलसंख्या	दवाइयाँ	ऑपरेशन	किसने कराया
२०३	मोदीनगर यू. पी.	११-३-४८	२०००	१०००	७६	रा. बा. सेठ गूजरमल जी मोदी
२०४	सोनीपत	१४-३-४८	२५००	१५००	२२०	सेठ शोभाराम
२०५	दमोह सी. पी.	२८-३-४८	३०००	१२००	४७०	रामचन्द्र आइती, C. P. सरकार
२०६	कटनी C. P.	१-४-४८	१५००	६००	२८६	C. P. सरकार और स्थानीय जनता
२०७	कुचेसर	५-४-४८	२०००	६००	२१४	कुँवर सुरजीतसिंह जी रईस
२०८	सोनीपत	११-४ ४८	१८००	६००	१३७	स्थानीय जनता बेरी मण्डी
२०९	काठ माण्डूक (नैपाल)	२१-५-४८	१६०००	६०००	१३६५	महाराजा मोहन शमशेर जंग बहादुर राणा
२१०	किशनगढ़(राजस्थान)	२४-६-४८	४०००	२०००	४६६	रा. बा. सेठ भागचन्द जी सोनी, रा. बा. सेठ हीरालाल पाटनी
२११	नीम का थाना	३-१०-४८	३५००	२०००	४०६	सेठ कपिलदेव जी और स्थानीय जनता
२१२	कुचेसर	५-१०-४८	२५००	१०००	२७०	रानी राजवंशकौर कुचेसर
२१३	करीर साहब	५-११-४८	४००	६५	१३	मिशन
२१४	जैतू मण्डी	६-११-४८	२५००	१०५०	२२०	सेठ गोपीराम हजारीलाल
२१५	मम्मौलिया	१३-११-४८	२०००	४००	२६६	सेठ मोतीलाल पदमपत (कानपुर वाले)
२१६	जोधपुर (राजस्थान)	१६-११-४८	५७००	३६६०	५४०	जोधपुर बुलियन मर्चेन्ट ऐशोसियेसन लि० जोधपुर
२१७	मुकामा (बिहार)	१६-११-४८	१५००	८००	२३५	नगर कांग्रेस कमेटी
२१८	जगाधरी (पंजाब)	२५-११-४८	२३००	१०४०	१५७	प्रेम सेवा समिति जगाधरी
२१९	विराटनगर (नैपाल)	८-१२-४८	१००००	२०००	४६३	महाराजा नैपाल
२२०	अतासराय (बिहार)	१६-१२-४८	४०००	२०००	४२७	—
२२१	पटना सिटी	२२-१२-४८	२०००	१२००	३५५	स्थानीय जनता
२२२	गोपालगंज	२५-१२-४८	१७००	८००	३३६	बा. भूलनसिंह जी एम.एल.ए. तथा स्थानीय जनता

२१३	करीर साहब	५-११-४८	४००	६५	१३ मिशन
२१४	जैतू मण्डी	६-११-४८	२५००	१०५०	२२० सेठ गोपीराम हजारीलाल
२१५	मझौलिया	१३-११-४८	२०००	४००	२६६ सेठ मोतीलाल पदमपत (कानपुर वाले)
२१६	जोधपुर (राजस्थान)	१६-११-४८	५७००	३४६०	५४० जोधपुर वुलियन मर्चेन्ट ऐशोसियेसन लि० जो
२१७	मुकामा (विहार)	१६-११-४८	१५००	८००	२३५ नगर कांग्रेस कमेटी
२१८	जगाधरी (पंजाब)	२५-११-४८	२३००	१०४०	१५७ प्रेम सेवा समिति जगाधरी

२१९	विराटनगर (नैपाल)	८-१२-४८	१०००००	२०००	४६३ महाराजा नैपाल
२२०	अतासराय (विहार)	१६-१२-४८	४०००	२०००	४२७ —
२२१	पटना सिटी	२२-१२-४८	२०००	१२००	३५५ स्थानीय जनता
२२२	गोपालगंज	२५-१२-४८	१७००	८००	३३६ बा. झूलनसिंह जी एम.एल.ए. तथा स्थानीय जनता
२२३	जैपुर (राजस्थान)	८-१-४६	४०००	२०००	३६६ राजस्थान सरकार
२२४	डीडवाणा(राजस्थान)	१२-१-४६	१२००	७००	१४६ सेठ मंगनीराम जी बांगड़
२२५	भागलपुर (विहार)	२२-१-४६	४०००	१२००	७२७ सेठ जोखीराम जी महेशका
२२६	पटनासिटी	२५-१-४६	४०००	१५००	३६० सेठ गंगाधर नथमल जी तथा स्थानीय जनता
२२७	गया (विहार)	६-२-४६	२०००	६००	२४६ सेठ शिवनाथप्रसाद और स्थानीय जनता
२२८	उन्नाव U. P.	६-२-४६	१६००	६००	२७२ डिस्ट्रिकबोर्ड उन्नाव
२२९	जनकपुर (नैपाल)	२०-२-४६	२५००	६००	५३७ महाराजा नैपाल
२३०	पाली (राजस्थान)	१-३-४६	१५००	७००	२०२ हिन्दू सेवा मण्डल पाली
२३१	किशनगंज (विहार)	३-३-४६	८००	५८०	११३ सेठ तुलाराम जी अग्रवाल,श्री हनुमानमिल किशनगंज
२३२	मोदीनगर	५-३-४६	१०००	६००	१८८ रा. वा. सेठ गूजरमल जी मोदी
२३३	भागलपुर	१२-३-४६	२२००	८००	४०१ सेठ जोखीराम महेशका तथा स्थानीय जनता
२३४	वाँकुड़ा	२३-३-४६	३५००	१००	६४२ गोयनका ट्रष्ट वाँकुड़ा
२३५	कुचेसर	१२-४-४६	२०००	१०००	२६६ रानी राजवंशकौर
२३६	कुरुक्षेत्र (पंजाब)	७-५-४६	२५००	१२००	१०८ —

नं०	स्थान	तारीख	कुलसंख्या	दवाइयाँ	ऑप्रेशन	किसने कराया
२३७	नरेन्द्रनगर	१-६-४६	१००	१००	२४	टिहरी स्टेट मिनिष्ट्री
२३८	टिहरी	१३-६-४६	२०००	८५०	२३६	” ”
२३६	उत्तर काशी	८-७-४६	७००	३५०	१००	” ”
२४०	राजगढ़ी	११-७-४६	५००	३००	६६	” ”
२४१	कुचेसर	२५-६-४६	१८००	८००	२०१	कुँवर दिग्विजयसिंह
२४२	भीलसा (मध्यभारत)	२७-६-४६	१०००	४००	१४०	मध्यभारत सरकार
२४३	मुजफ्फरनगर	१५-१०-४६	१०००	३७५	७८	डिस्ट्रिकबोर्ड मुजफ्फरनगर
२४४	हुशंगावाद C. P.	२३-१०-४६	१०००	७००	१५३	सेठ रघुवर दयाल जी दुबे प्रधान म्युनि० बो०
२४५	नैपालगंज नैपाल	१६-११-४६	८०००	४०००	१०३५	महाराजा नैपाल
२४६	इटारसी	२-१२-४६	१५००	८००	१८८	नाथूराम जी भारद्वाज और स्थानीय जनता
२४७	खगड़िया (विहार)	१५-१२-४६	५०००	२५००	५२५	श्री नारायणदास जी और स्थानीन जनता
२४८	पटना सिटी	२३-१२-४६	६०००	२०००	८५०	सेठ गंगाधर नथमल जी तथा स्थानीय जनता
२४६	दुमका	१०-१-५०	२०००	४५०	३७१	श्री रामेश्वरप्रसाद जी डिप्टी कमिश्नर दुमका
२५०	फोरवसगंज	१५-१-५०	१४००	५००	२४४	चक्षुदान यज्ञ समिति
२५१	मुकामा	२६-१-५०	१५००	८००	१२१	नगर कां. कमेटी मुकामा
२५२	फलोदी (राजस्थान)	१-२-५०	२०००	७५०	२२३	हिन्दु सेवा मंडल पाली और सेठ नारायणदास
२५३	बगहा (विहार)	५-२-५०	१५००	३५०	१४४	चक्षुदान यज्ञ समिति

२५४	बुटवल (नैपाल)	६-२-५०	२२००	८००	४०८	एच. एच २ श्री महाराजा मोहन शमशेरजंग बहादुर राणा नैपाल
२५५	बांकुड़ा	२५-२-५०	१५००	३५०	६७६	मोहनलाल जी गोयनका, गोयनका ट्रस्ट बांकुड़ा
२५६	पालम	११-३-५०	७५	३०	२१	लाला महावीर प्रसाद
२५७	मोगा	१५-३-५०	५००	२५०	३५	

२४८ पटना सिटी	२३-१२-४६	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
२४९ दुमका	१०-१-५०	२०००	४५०	३७१	श्री रामेश्वरप्रसाद जी डिप्टी कमिश्नर दुमका
२५० फ़ारबसगंज	१५-१-५०	१४००	५००	२४४	चतुर्दान यज्ञ समिति
२५१ मुकामा	२६-१-५०	१५००	८००	१२१	नगर कां. कमेटी मुकामा
२५२ फलोदी (राजस्थान)	१-२-५०	२०००	७५०	२२३	हिन्दु सेवा मंडल पाली और सेठ नारायणदास
२५३ बगहा (बिहार)	५-२-५०	१५००	३५०	१४४	चतुर्दान यज्ञ समिति

२५४ बुटवल (नैपाल)	६-२-५०	२२००	८००	४०८	एच. एच ३ श्री महाराजा मोहन शमशेरजंग बहादुर राणा नैपाल
२५५ वांकुड़ा	२५-२-५०	१५००	३५०	६७६	मोहनलाल जी गोयनका, गोयनका ट्रस्ट वांकुड़ा
२५६ पालम	११-३-५०	७५	३०	२१	लाला महावीर प्रसाद
२५७ मोगा	१४-३-५०	५००	२५०	३५	
२५८ मोदीनगर	१६-३-५०	२०००	५००	११८	रा. वा. श्री गूजरमल जी मोदी
२५९ पाली	२०-३-५०	१५००	३००	१५४	हिन्दू सेवा मण्डल पाली
२६० भीलवाड़ा	२७-३-५०	२०००	७००	३५०	सेठ पूपालाल
२६१ काठमाँडू	१५-५-५०	६०००	१६५५	१२०८	एच एच. ३ श्री महाराजा मोहन शमशेरजंग बहादुर राणा नैपाल
२६२ जगन्नाथपुरी	१५-८-५०	८५०	७४३	१६१	महन्त एम. आर. मठ
२६३ रतलाम	१९-९-५०	५००	४००	६६	
२६४ आगरा	२८-९-५०	५५०	६४१	१३५	
२६५ कुचेसर कोर्ट	१२-१०-५०	१५००	६००	२३७	कुंवर दिग्विजयसिंह जी रईस
२६६ भवानीपुर	२६-१०-५०	५००	२००	६०	श्री सूरजमल नागरमल
२६७ कलकत्ता	२६-१०-५०	२०००	३००	२७३	श्री सूरजमल नागरमल
२६८ विजयनगर	१५-११-५०	१२००	५००	१६०	सेठ पूपालाल रघुनाथप्रसाद
२६९ जोधपुर	२२-११-५०	२२५०	५००	३२५	फ़्री कैम्प

नं०	स्थान	तारीख	कुलसंख्या	दवाइयाँ	अप्रेशन	किसने कराया
२७०	नरकटियागंज	२६-११-५०	२०००	७५०	५०४	
२७१	गोपालगंज	२१-१२-५०	२०००	७००	५३८	चक्षुदान यज्ञ समिति
२७२	उन्नाव	२५-१२-५०	१५००	६००	२१८	
२७३	पटना	२६-१२-५०	३०००	१०००	६७०	श्री गंगाधर नथमल तथा स्थानीय जनता
२७४	दुमका	१४-१-५१	७००	२१३	१६८	श्री रामेश्वरप्रसाद जी डिप्टी कमिश्नर दुमका
२७५	नसीराबाद	२५-१-५१	१५००	४२५	१५६	अरचन को आ.
२७६	पुष्कर	२७-१-५१	२५००	५००	२५२	
२७७	भागलपुर	१२-२-५१	३०००	७००	७५८	चक्षुदान यज्ञ समिति भागलपुर
२७८	उरई	१६-२-५१	१०००	५००	१७५	डिस्ट्रिक बोर्ड (जालौन)
२७९	फोरबसगंज	२७-२-५१	१३००	६००	२३०	चक्षुदान यज्ञ समिति
२८०	मोदीनगर	७-३-५१	१२००	५००	८७	रा० ब० सेठ गूजरमल मोदी
२८१	पाली	६-३-५१	१२००	२५०	१६३	हिन्दू सेवा मण्डल
२८२	मेरठ	११-३-५१	२०००	६००	२६३	मरचेन्टस चैम्बर कैसरगंज
२८३	कानपुर	१५-३-५१	३०००	२०००	६५	फ्री
२८४	पिलानी	२८-३-५१	१२०	८०	३०	
२८५	नरेला	८-४-५१	३००	२५०	२०	फ्री
२८६	चारभुजा	११-४-५१	१५००	७१४	२०८	हिन्दु सेवा मण्डल
२८७	असौधा	१५-४-५१	४५०	३००	४४	फ्री
२८८	कानपुर	१३-४-५१	१५००	८००	६०	फ्री

२८० मोदीनगर	७-३-५१	१२००	५००	८७	रा० ब० सेठ गूजरमल मोदी
२८१ पाली	६-३-५१	१२००	२५०	१६३	हिन्दू सेवा मण्डल
२८२ मेरठ	११-३-५१	२०००	६००	२६३	मरचेन्टस चैम्बर कैसरगंज
२८३ कानपुर	१५-३-५१	३०००	२०००	६५	फ्री
२८४ पिलानी	२८-३-५१	१२०	८०	३०	

२८५ नरेला	८-४-५१	३००	२५०	२०	फ्री
२८६ चारभुजा	११-४-५१	१५००	७१४	२०८	हिन्दु सेवा मण्डल
२८७ असौधा	१५-४-५१	४५०	३००	४४	फ्री
२८८ कानपुर	१३-४-५१	१५००	८००	६०	फ्री
२८९ कुचेसर यू. पी.	३-१०-५१	२०००	१५००	२८६	कुँवर दिग्विजयसिंह रईस
२९० कानपुर यू. पी.	१६-१०-५१	१०००	३००	७५	स्थानीय जनता तथा म्युनिस्पल बोर्ड
२९१ मेरठ यू. पी.	२२-१०-५१	५००	३००	७५	सार्वदेशिक आर्य सम्मेलन द्वारा
२९२ जहानाबाद (बिहार)	२०-११-५१	२०००	१०००	३५६	डा० हीरालाल जी गुप्ता तथा स्थानीय जनता
२९३ अत्तासराय (बिहार)	१-१२-५१	१०००	३००	१२६	
२९४ सिवान (बिहार)	२५-१२-५१	२५००	१०००	४२१	चक्षुदान यज्ञ समिति
२९५ पटना-सिटी (बिहार)	१०-१-५२	४०००	१५००	४१०	श्री गंगाधर नथमल तथा स्थानीय जनता
२९६ गया (बिहार)	२७-१-५२	२२००	१२००	१९१	श्री शिवनाथ प्रसाद जी तथा स्थानीय जनता
२९७ नवादा (बिहार)	२९-१-५२	१५००	७००	३०३	चक्षुदान यज्ञ समिति नवादा (गया)
२९८ फोरबसगंज	१०-२-५२	१५००	५००	१७७	सेठ सीताराम अग्रवाल तथा स्थानीय जनता
२९९ कुरुक्षेत्र (पंजाब)	१२-२-५२	५००	२००	३५	श्री देवेन्द्र स्वरूप ब्रह्मचारी हृषीकेश
३०० भीलवाड़ा (राजस्थान)	२१-२-५२	७००	३००	१७५	सेठ पूनालाल

नं०	स्थान	तारीख	कुलसंख्या	दवाइयां	अप्रेशन	किसने कराया
३०१	दुमका (बिहार)	२७-२-५२	१३००	६००	१३०	श्री रामेश्वरप्रसाद जी डिप्टी कमिश्नर दुमका
३०२	पाली (मारवाड़)	१-३-५२	६००	३००	६५	हिन्दू सेवा-मण्डल
३०३	मोदीनगर	७-३-५२	४००	३००	१२०	सेठ गूजरमल मोदी
३०४	बाँकुड़ा (बंगाल)	१७-३-५२	३०००	५००	६०८	गोयनका ट्रष्ट मोहनलाल जी गोयनका
३०५	नसीराबाद	२७-३-५२	३००	७५	६६	
	जोड़		७५०,७६६	५१०,८७३	७८१,३३१	

—:o:—

No 69 (147)-IT/50
Government of India
Ministry of Finance (Revenue Division)
New Delhi, the 27th August, 1951.

From

The Deputy Secretary to the Government of India.

To

The Honorary Secretary,
Sant Parmanand Blind Relief Mission,
18/53 School Road,
Karol Bagh, New Delhi-5.

subject:—Section 15-B, Indian Incom-tax Act Approval under.

Sir,

with reference to your letter No. 4054-7-51 dated the 26th July 1951, I am directed to say that the Government of India are pleased to approve your institution for purposes of section 15 B of the Indian Income tax Act, 1922.

Yours faithfully,
Sd/- K. L. Mittal
for Deputy Secretary
to the Goverument of India.

क्या आपको पता है ?

१. भारत में २ प्रतिशत नेत्रहीन हैं।

२. भारत में लगभग १५,००,००० बिल्कुल नेत्रहीन हैं।

३. भारत में लगभग ५०,००,००० ऐसे व्यक्ति भी हैं जो नेत्रहीन के समान हैं।

४. भारत में लगभग १,००,००,००० नेत्र के रोगी हैं।

५. ६० प्रतिशत नेत्रहीनता रोकी जा सकती है।

६. स्कूल के बच्चे २५ प्रतिशत आँखों के रोगी हैं।

७. स्कूल के २५ प्रतिशत बच्चों को मन्द दृष्टि होने से चश्मों की आवश्यकता है।

८. अधिकतया नेत्रहीन ग्रामों में हैं तथा ग़रीब हैं।

९. हमारे दान का चौथा हिस्सा भी सब नेत्रहीनों को ठीक कर सकता है।

संत परमानन्द नेत्र सुधारक संघ

१८/५३ स्कूल रोड़, करौलबाग, नई देहली-५

★

संजय प्रेस, चूनामण्डी, नई देहली, में मुद्रित।